राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 327 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये दुर्ग, शनिवार 11 अक्टूबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

अब बंगाल में भी 'कोल्डरिफ' कफ सिरप की बिक्री पर रोक

कोलकाता। मध्य प्रदेश में कथित रूप से 'कोल्डरिफ' कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की मौत के बाद पश्चिम बंगाल में इसकी बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। बंगाल के मिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन (बीसीडीए) ने राज्य के सभी खुदरा और थोक दवा विक्रेताओं को इस कफ सिरप की खरीद-बिक्री बंद करने का निर्देश जारी किया। बीसीडीए के सचिव पृथ्वी बसु ने आज बताया कि मध्य प्रदेश में हुई घटना से जुड़ा बैच पश्चिम बंगाल में नहीं आया है, लेकिन एहतियात के तौर पर सभी दवा विक्रेताओं को इसके स्टॉक और बिक्री पर रोक लगाने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में दवा विक्रेताओं के साथ 11 अक्टूबर को बैठक बुलाई गई है ताकि इस पर और सख्त दिशा-निर्देश दिए जा सकें। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब देशभर में बिना पर्ची के मिलने वाले कफ सिरप की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। 'कोल्डरिफ' सिरप का निर्माण तमिलनाडु स्थित एक दवा कंपनी द्वारा किया जाता है, जिसके निर्माता को बच्चों की मौत के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना से पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में दहशत फैल गई थी।

3100 रेट, 21 क्विंटल प्रति एकड़ सीमा, 6-7 दिन में होगा भुगतान

छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी:साय कैबिनेट का फैसला

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर में साय कैबिनेट की मीटिंग हुई। प्रदेश में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू करने का फैसला लिया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में शुक्रवार को महानदी भवन में कैबिनेट बैठक हुई। मीटिंग में धान खरीदी को लेकर कई अहम फैसले लिए गए हैं। इस बार 15 नवंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक धान खरीदी की जाएगी। राज्य के 25 लाख से ज्यादा किसानों से 3100 प्रति क्विंटल की दर से खरीदी होगी।

किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की जाएगी। खरीदी में पारदर्शिता और समय पर भुगतान तय करने के लिए किसानों को उनकी राशि 6 से 7 दिनों के अंदर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में महानदी भवन में कैबिनेट की बैठक हुई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में महानदी भवन में कैबिनेट की बैठक हुई।

इससे पहले, 2024-25 में 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी। राज्य में कुल 25.49 लाख से ज्यादा किसानों ने धान बेचा था। जिसके लिए 31 हजार 89 करोड़ का भुगतान हुआ। इस बार प्रदेश में 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की संभावना जताई जा रही है। इससे पहले 30 सितंबर मंगलवार को साय कैबिनेट की मीटिंग हुई थी। बैठक में 3 प्रमुख फैसले लिए गए थे। दिव्यांगजन के कल्याण के लिए 24.50 करोड़ रुपए की बकाया राशि एकमुश्त चुकाने का निर्णय लिया गया। 100 स्पेशल एजुकेटर की भर्ती करने का फैसला भी लिया गया था।

साथ ही शासकीय सेवकों को आकस्मिक वित्तीय जरूरत पर वेतन के विरुद्ध अल्पावधि ऋण उपलब्ध करने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगी। वहीं इस बैठक में अमिताभ जैन को विदाई और नवनियुक्ति मुख्य सचिव का स्वागत किया गया। साथ ही उन्होंने पदभार ग्रहण किया था।

शासकीय सेवकों को अल्पावधि ऋण सुविधा

सरकारी कर्मचारियों की अचानक आने वाली वित्तीय जरूरतों को देखते हुए उन्हें वेतन के विरुद्ध अल्पकालिक ऋण देने का फैसला लिया गया। यह ऋण बैंकों या वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से दिया जाएगा। वित्त विभाग को आगे की कार्रवाई के लिए अधिकृत किया गया। पात्र बैंक/संस्थाओं से एमओयू (समझौता पत्र) करने का प्रारूप भी मंजूर किया गया।

राज्य सरकार ने राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त-विकास निगम (हृष्ठस्नष्ठष्ट) की 24.50 करोड़ रुपए की बकाया ऋण राशि एकमुश्त चुकाने का निर्णय लिया गया। यह राशि हृष्ठस्नष्ठष्ट की ओर से राज्य के दिव्यांगों को 3त्न ब्याज दर पर शिक्षा और स्वरोजगार के लिए दिए गए ऋण से संबंधित है।

स्पेशल एजुकेटर्स की सीधी भर्ती में नियमों में छूट

स्कूल शिक्षा विभाग में 100 स्पेशल एजुकेटर की सीधी भर्ती के लिए नियमों में एक बार के लिए छूट दी गई। भर्ती नियम-2019 को शिथिल करते हुए, चयन परीक्षा के बजाय मेरिट के आधार पर भर्ती की अनुमति दी गई। यह फैसला दिव्यांग बच्चों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया।

पंजाब में आम आदमी पार्टी में बड़ी बगावत, 70 विधायकों ने पार्टी लाइन तोड़ी, जनता पार्टी प्रमुख नवनीत चतुर्वेदी को दिया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति में शुक्रवार को बड़ा मोड़ आया जब आम आदमी पार्टी (आप) के 92 में से 70 विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवनीत चतुर्वेदी का साथ देने का ऐलान किया। राज्यसभा उपचुनाव से पहले हुई इस घटना ने पार्टी के अंदर के मतभेदों को उजागर कर दिया है। चतुर्वेदी ने सोमवार को निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया था। शुरुआत में उनके साथ सिर्फ 10 विधायक थे, लेकिन गुरुवार शाम तक यह संख्या 70 तक पहुंच गई। पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार राजिंदर गुप्ता के खिलाफ यह कदम आप के संगठन और नेतृत्व शैली पर सवाल खड़े कर रहा है। चतुर्वेदी ने कहा, यह किसी व्यक्ति का नहीं, पंजाब की जनता का समर्थन है। आप के कई विधायक लंबे समय से इस बात से नाखुश हैं कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व राज्य के मुद्दों को गंभीरता से नहीं ले रहा। अब पंजाब की आवाज संसद में सुनी जाएगी।

मंत्री सुजीत बोस के कार्यालय समेत 10 ठिकानों पर ईडी का छापा

नगर पालिका के पूर्व अधिकारियों के घरों पर भी रेड

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में चुनावी बिगुल बजते ही सियासत का पारा चढ़ गया है। वहीं उक्त पारे में तल्खी आज तब आ गई जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य में दो अलग-अलग मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में राज्य के अग्निशमन मंत्री सुजीत बोस के कार्यालय सहित 10 स्थानों पर एक साथ कोलकाता नगर निगम के पूर्व अधिकारियों के घरों पर भी छापेमारी की। ये छापे कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में जारी हैं। यह

कार्रवाई नगर निकायों में भर्ती से जुड़ी कथित गड़बड़ियों की जांच के तहत की गई है। सूत्रों के अनुसार, ईडी की टीमों ने बोस के साल्टलेक स्थित आवास और कार्यालय के अलावा दमदम नगर पालिका से जुड़े कुछ पूर्व अधिकारियों के घरों पर भी तलाशी ली।

ईडी की कार्रवाई जिन दो मामलों में की जा रही है, उनमें से एक नगरपालिकाओं में नौकरी के बदले नकद घोटाले से संबंधित है, जबकि दूसरा बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले से जुड़ा है। एजेंसी की एक टीम ने उत्तर कोलकाता के साल्टलेक स्थित मंत्री सुजीत बोस के कार्यालय में भी छापेमारी की, जो नगरपालिकाओं में भर्ती अनियमितताओं के मामले से जुड़ा बताया जा रहा है। इसके अलावा, दक्षिण कोलकाता के न्यू अलीपुर, सरत बोस रोड के साथ ही कोलकाता के उत्तरी हिस्से नागेरबाजार में भी ईडी की टीमें तलाशी अभियान चला रही हैं।

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के द्वारा गुरू तेग बहादुर शहीदी दिवस शोभायात्रा का बसना में हुआ भव्य स्वागत

सिक्ख समाज सहित सर्व हिन्दू समाज के द्वारा जगह जगह किया गया अभिनंदन

बसना(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के नौवे गुरू द्वारा धन धन श्री गुरु तेग बहादुर साहब की 350 वीं शहीदी दिवस की मीठी याद मे विशाल शोभा यात्रा रायपुर से प्रारंभ होकर पूरे प्रदेश भर में लगभग 70 गुरूद्वारा का भ्रमण करते हुए नगर बसना पहुंची। बसना नगर आगमन पर सर्व हिन्दू समाज के भव्य स्वागत किया गया।

इस दौरान क्रमश: सर्व समाज में स्वागत हेतु राजकुमार अग्रवाल, जागृति कोलता समाज, हरदिया साहू समाज,अग्रवाल महासभा,सतनामी समाज ,जैन समाज,श्रीरामजानकी मंदिर समिति, समलेश्वरी मंदिर समिति,बंजारा समाज,डडसेना करार समाज, ब्राह्मण समाज, हनुमान मंदिर समिति,अलेख महिमा आश्रम बाबा कुटी , नगर पंचायत बसना सहित विधायक कार्यालय के सामने सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया।

धन धन श्री गुरू तेग बहादुर साहिब की 350 वीं शहीदी दिवस पर शोभायात्रा का बसना सिक्ख समाज के अध्यक्ष जसवंत सिंह सलूजा के नेतृत्व में सिक्ख समाज के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। सभी समाज के पदाधिकारियों ने पुष्पमाला से पंच प्यारे एवं गुरू तेग बहादुर साहिब शहीदी रथ का स्वागत किया गया। उक्त अवसर पर जसवंत सिंह सलूजा,लालसिह छाबडा,भगतराम वाधवा, मनजीत सिंह सलूजा, मंजीतसिह विक्की छाबडा,राजा रंधावा, मुखविंदर सिंह,संगीत सलूजा, सुरेन्द्र वाधवा, जितेन्द्र होरा, गुरूबख्शसिंह तलूजा, दविंदर सिंह, गुरदीप होरा, इकबाल सिह,हरजिंदर सिंह, चरणजीत सिंह, महिपाल सिंह जटाल, हरजिंदर सिंह,आनंद मदनानी,डॉ एन के अग्रवाल,रमेश अग्रवाल, रामचंद्र अग्रवाल, डॉ खूशबू अग्रवाल अध्यक्ष नगर पंचायत,शीत गुप्ता, अशोक जोशी,राजमहंत पी एल कोसरिया, जयनारायण अग्रवाल,सेवकदास दीवान,अभय धूतलहरे, आनंद दास,तरूण दास, बाबा उसत दास,मंत्री दास,संत रितुदास,सफेद दास,गोपाल सत्यवंशी, हीरा लाल ,रामरतन अग्रवाल,राजा वाधवा, सोनू श्रीवास्तव,सौरव अग्रवाल,लखन सिन्हा,महेन्द्र सिंह अरोरा ,हेमंत दास, नवीन साहू,मनोज गहरेवाल,आशीष साहू, दिनेश डडसेना,बसंत देवता, प्रदीप दास, रमेश सूर्या, गौतम धृतलहरे,विकास वधवा,इन्दरपाल वाधवा, कामेश बंजारा, निर्मल दास,रंजीत सलूजा ,नरेंद्र बोरे, विजय धृतलहरे ,मनोज गहेरवाल,अमृत चौधरी, देशराज दास ,पोषराम धृतलहरे ,सूरज जैन,के अलावा शोभायात्रा में लगभग हजारों की संख्या मे श्रद्धालु शामिल हुए।

एक्ट्रोसिटी एक्ट के मामले में द्वारिका प्रसाद चंद्राकर की गिरफ्तारी को लेकर सतनामी समाज ने भारी संख्या में किया अजाक थाना घेराव

महासमुंद(समय दर्शन)। एट्रोसिटी एक्ट के मामले मे प्रभारी प्राचार्य द्वारिका प्रसाद चंद्राकर की शीघ्र गिरफ्तारी एवं निलंबन की मांग को लेकर सतनामी समाज जिला महासमुंद के द्वारा अजाक थाना महासमुंद का 12:00 बजे घेराव किया गया।

उक्त संबंध में जानकारी देते हुए सतनामी समाज के महासमुंद जिला अध्यक्ष विजय बंजारे व महेंद्र कोसरिया ने बताया कि 30 अगस्त को शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल नरतोरा के प्रभारी प्राचार्य द्वारिका प्रसाद चंद्राकर के द्वारा सतनामी समाज की शिक्षिका से अभद्रता पूर्ण व्यवहार करते हुए उन्हें भरे बैठक में अपमानित किया गया और अमर्यादित शब्द से सम्बोधित किया गया था। जिस संबंध मे विभाग को जानकारी देने के पश्चात शिक्षा विभाग की टीम एवं थाना पटेवा की टीम ने विवेचना के पश्चात 13 सितंबर 2025 को द्वारका प्रसाद चंद्राकर के खिलाफएट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज की है। परंतु आज मामला दर्ज होने के 26 दिन के बाद भी आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी न होने और उस शिक्षक के ऊपर विभागीय कार्यवाही नहीं होने से समाज नाराज होकर अजाक थाना का घेराव करने को बाध्य हुआ है।

समाज ने पूर्व में जिला कलेक्टर, एसपी कार्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी, अजाक थाना प्रभारी एवं पटेवा थाना प्रभारी को पत्र देकर उक्त शिक्षक के ऊपर कार्यवाही की मांग भी की थी,, परंतु आरोपी प्रभारी प्राचार्य के ऊपर अभी तक किसी भी प्रकार से कार्यवाही ना होना कहीं ना कहीं आरोपी को शासन प्रशासन का संरक्षण प्राप्त होना प्रदर्शित हो रहा है।

समाज प्रमुखों ने आगे बताया कि अजाक थाना का घेराव पूर्ण रूप से शांतिपूर्ण तरीके से संवैधानिक दायरे में रहकर किया गया और साथ ही साथ समाज प्रमुखों ने जिले भर के सामाजिक बंधुओ से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर हक अधिकार की इस लड़ाई में पीड़ित शिक्षिका को न्याय दिलाने के लिए उपस्थित हुए।

इधर शिक्षा विभाग भी सतनामी समाज के हक अधिकार की लडाई से खौफखाते हुए आनन फानन मे शिक्षक द्वारका प्रसाद चंद्राकर को नोटिस जारी किया है ।

राजनीतिक संरक्षण में हो राशन घोटाला, विभागीय संरक्षण की भी आ रही बू...

बिलासपुर (समय दर्शन)। सत्ता की आड़ में गरीबों के हिस्से का अनाज चुराने का शर्मनाक मामला प्रदेश की न्यायधानी बिलासपुर जिले के सीपत क्षेत्र से सामने आया है। यहाँ भाजपा जिला उपाध्यक्ष राज्यवर्धन कौशिक के भाई धनवंतरी भूषण कौशिक को पीडीएस चावल चोरी कर खुले बाजार में बेचने की कोशिश करते ग्रामीणों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। यह चोरी का खेल सीपत थाने से महज़ 50 कदम की दूरी पर चल रहा था, जो स्थानीय प्रशासन और खाद्य विभाग की विभागीय कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

सूत्रों के मुताबिक, भूषण कौशिक लंबे समय से अपने भाई के राजनीतिक रसूख का इस्तेमाल करते हुए गरीबों का अनाज अवैध रूप से बाजार में बेच रहा था। बुधवार शाम ग्रामीणों को संदेह हुआ कि एक पिकअप वाहन में बड़ी मात्रा में पीडीएस चावल लादकर कहीं ले जाया जा रहा है। ग्रामीणों ने गाड़ी को रोका और जांच करने पर सैकड़ों क्विंटल चावल बरामद हुए। इसके बाद ग्रामीणों ने आरोपी भूषण कौशिक और उसके ड्राइवर को पकड़कर सीधे सीपत थाने में सौंप दिया। जानकारी के अनुसार, घटना के बाद आरोपी के भाई राज्यवर्धन कौशिक ने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए पुलिस और ग्रामीणों पर दबाव बनाने की कोशिश की। मगर जनता के तीखे तेवरों के आगे नेताजी की दादागिरी बेअसर रही। ग्रामीणों के आक्रोश और एकजुटता के कारण पुलिस को दोनों आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज करना पड़ा।

अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह मामला सिर्फऔपचारिक कार्रवाई तक सीमित रहेगा या फिर वास्तव में कड़ी कानूनी कार्यवाही होगी। ग्रामीणों का कहना है कि यह घटना सत्ता और प्रशासन की नाकामी का आईना है। जनता अब यह देखने को बेताब है कि जब नेता का परिवार ही गरीबों का हक लूटे, तो कानून कितनी ईमानदारी से न्याय देता है।

गौरतलब है कि बीजेपी कार्यकर्ता गोविन्द नायडू और ऋषि उपाध्याय अपने पुत्र सहित सरकारी दुकान में चावल के बदले नगद पैसा देते हुए कैमरे में कैद हुआ था लेकिन विभागीय और राजनैतिक संरक्षण के चलते अभी तक तत्कालीन कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश के बाद तत्कालीन खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया ने विभागीय जांच में अपने प्रतिवेदन में शहर में संचालित सरकारी राशन दुकान जय महालक्ष्मी महिला समूह के ऋषि उपाध्याय उसकी पत्नी सत्यशीला उपाध्याय और सचिव पुष्पा दीक्षित के कृत्य को दंडनीय अपराध मानते हुए सभी के खिलाफ मामला दर्ज करवाने के लिए बिलासपुर कलेक्टर से अनुशंसा भी की थी लेकिन विभागीय संरक्षण और राजनैतिक दबाव के चलते बिलासपुर खाद्य नियंत्रक अमृत कुजूर तीन महीने बीत जाने के बाद भी अभी तक जांच रिपोर्ट बिलासपुर कलेक्टर को नहीं भेज पाए है . ?? इतना ही नहीं सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में भी वरिष्ठ पत्रकार को ऋषि उपाध्याय की समिति के खिलाफविभागीय जांच की रिपोर्ट जानबुझकर नहीं दी गई है । विभागीय सूत्रों की माने तो तत्कालीन खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया की जांच रिपोर्ट के आधार पर दुकान पर निलंबन की भी कार्यवाही की गई थी लेकिन जय महालक्ष्मी महिला समूह ने निलंबन के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर खाद्य विभाग के आदेश को चुनौती दी थी लेकिन विभागीय संरक्षण के चलते बिलासपुर खाद्य विभाग के अधिकारियों ने जिस जांच रिपोर्ट के आधार पर दुकान को सस्पेंड किया था वह जांच रिपोर्ट भी कोर्ट में पेश करना मुनासिब नहीं समझा ।

विभागीय सूत्रों ने नाम ना छापने की शर्त में बताया कि खाद्य विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में गरीबों को दिए जाने वाले सरकारी राशन की दुकानों से जमकर सरकारी चावल की तस्करी की जा रही है लेकिन विभाग में बैठे कुछ अधिकारी अपने स्वार्थ में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ,बिलासपुर कलेक्टर और अभी हालही में बिलासपुर दौरे पर आए खाद्य आयोग के अध्यक्ष को भी गुमराह कर चावल तस्करो को विभागीय संरक्षण दे रहे है ?

अवैध शराब बिक्री के खिलाफ गड़बेड़ा पंचायत ने उठाया बड़ा कदम

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत गड़बेड़ा में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने और गांव का माहौल खराब होने से बचाने के लिए स्थानीय थाने में ग्राम पंचायत गड़बेड़ा की सरपंच श्रीमती बूंदाबाई नायक अपने पंचायत टीम पंच महिला समूह के साथ थाना पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है ।

सरपंच ने बताया कि,यह ज्ञापन पुलिस से अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफसख्त कार्रवाई करने और इस समस्या पर नियंत्रण पाने में मदद करने की गुहार है , क्योंकि शराब की अवैध बिक्री से गांव में विवाद बढ़ रहे हैं और महिलाओं व स्कूली बच्चों के लिए परेशानी हो रही है ।गांव में खुलेआम महुआ अंग्रेजी और देशी शराब के साथ गांजा नशीली दवा की बिक्री हो रही है। जिससे कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही है। गांव का माहौल खराब होना अब सामान्य बात हो गयी है,जो कानूनी एवं संवैधानिक दृष्टि से गलत है।

अवैध शराब की बिक्री के कारण गांव में शराबियों का जमावड़ा लगे रहता है। जिससे सार्वजनिक स्थानों पर भी शराबी एकजुट होकर शराब पी रहे हैं और माहौल खराब हो रहा है। महिलाओं और बच्चों की परेशानी शराब की वजह से गांव के माहौल में नकारात्मक असर पड़ा है ।अब महिलाओं को घर से निकलने में भी दिक्कत हो रही। यह सभी समस्याओं के निराकरण के लिए पंचायत की पूरी टीम एवं महिला समिति आज थाना, आबकारी और एसडीम ऑफिस पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन देने पहुंचे प्रमुख रूप से श्रीमती बूंदाबाई नायक सरपंच, मोहित यादव उप सरपंच, होमेश्वरी साहू ग्रामीण जन संतोष निषाद, अंजनी निर्मलकर, राम कुमार रात्रि, राम आश्रय दुबे सहित ग्रामीण जन काफी संख्या में उपस्थित थे।

गरियाबंद जिले में अंतर संकुल स्तरीय प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

सांसद खेल महोत्सव 2025

गरियाबंद (समय दर्शन)। सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत गरियाबंद जिले में खेल भावना और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को गरियाबंद जिले में अंतर संकुल स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया गया। जिलेभर के विद्यालयों/महाविद्यालयों एवं ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं/खिलाड़ी विभिन्न खेलों में भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जिले के विभागीय अधिकारियों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों और खेल प्रशिक्षकों की उपस्थिति में हुआ।इस प्रतियोगिता के अंतर्गत सामूहिक खेल में कबड्डी,खो-खो,वॉलीबॉल खेलों में आयुवर्ग 14 से 19 एवं 19 से 24 वर्ष आयु समूह में प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुई।

इस क्रम में एक खेल में एथलेटिक्स 100मी., 400मी. दौड़, लम्बीकूद, उँचीकूद, गोला फेंक, भाला फेंक,बैडमिंटन एवं गेड़ी दौड़ खेलों में आयुवर्ग 14 से 19 एवं 19 से 24 वर्ष आयु समूह में प्रतियोगिताएं आयोजित किया गया। प्रत्येक अंतर संकुल स्तर पर चयनित विजेता खिलाड़ी/टीमें आगे 10 चयनित संकुलों में 14 अक्टूबर 2025 से आयोजित संकुल स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेंगे। साथ ही संकुल स्तर पर विजेता खिलाड़ी/टीमें जिले के दोनों विधानसभा में आयोजित होने वाली विधानसभा स्तरीय खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के खिलाड़ियों को मंच प्रदान कर उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर भागीदारी हेतु प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों को खेल के साथ अनुशासन,परिश्रम और टीम भावना का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव युवा प्रतिभाओं को पहचान देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु जिले के सभी शासकीय विभागें एवं शिक्षा विभाग और खेल विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा प्रथम चरण पर आयोजन कराया गया है। पूरे जिले में खेलों को लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ है।

पीएम सेजेस बसना में विकासखंड स्तरीय पश्चिम भारत विज्ञान मेला का आयोजन हुआ

बसना(समय दर्शन)। कार्यक्रम अंतर्गत बाल वैज्ञानिकों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी,विज्ञान नाटिका,सेमिनार,प्रश्न मंच, विज्ञान क्लब की उपलब्धियों का प्रदर्शन हुआ।

एनसीईआरटी नई दिल्ली के निर्देश एवं एससीईआरटी रायपुर के आदेशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, सहायक संचालक नंदकिशोर सिन्हा, डीएमसी रेखराज शर्मा,जिला नोडल अधिकारी जगदीश सिन्हा,बीईओ बद्री विशाल जोल्हे, विकास खंड स्त्रोत समन्वयक समग्र शिक्षा अनिल सिंह साव,सेजेस प्राचार्य के.के.पुरोहित के मार्गदर्शन में विकास खंड स्तरीय पश्चिम भारतीय विज्ञान मेला के अंतर्गत बाल विज्ञान प्रदर्शनी,पश्चिम भारतीय विज्ञान प्रदर्शनी,विज्ञान नाटिका,प्रश्न मंच,विज्ञान सेमिनार,शिक्षक संगोष्ठी इन सभी विधाओं का आयोजन किया गया।

जिसमें पूरे ब्लॉक से लगभग 50 विद्यार्थियों द्वारा हिस्सा लिया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के प्राचार्य के के पुरोहित ने अपनी व्याख्यान में विज्ञान प्रदर्शनी के महत्व को विद्यार्थियो को बताते हुए विज्ञान को व्यवहार में जोड़ने की बात कही। आगे उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से निश्चित रुप से विज्ञान विषय के प्रति छात्र -छात्राओं में रूचि जागृत होगा।इस पश्चिमी भारतीय विज्ञान मेला में मुख्य विषय विकसित और आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत सात उप विषयों पर आधारित इस प्रदर्शनी में बाल वैज्ञानिकों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। विकासखण्ड विज्ञान प्रभारी योगेश कुमार प्रधान ने इस विज्ञान मेला के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि विज्ञान मेले से छात्र छात्राओं में वैज्ञानिक सोच,समस्या-समाधान और वैज्ञानिक पद्धति को लागू करने में मदद करते हैं। भाग लेने वाले बाल वैज्ञानिकों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को बधाई देते हुए भौतिकी के व्याख्याता अजय कुमार भोई ने बताया कि विज्ञान मेले में भाग लेने से बच्चों को वैज्ञानिक अवधारणाओं को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर मिलता है,जिससे उनकी कक्षा में सीखी गई बातें और भी मज़बूत होती हैं। उन्हें परिकल्पना निर्माण, प्रयोग,आँकड़ा संग्रह और विश्लेषण सहित वैज्ञानिक पद्धति की गहरी समझ प्राप्त होती है। इस कार्यक्रम में निर्णायक के भूमिका में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरोली के व्याख्याता आलोक भोई एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अरेकेल के शिक्षक एवं जिला शैक्षिक एवं विज्ञान परिषद् महासमुन्द के बसना विकास खंड सहायक नोडल प्रेमचन्द साव द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन कर छात्र -छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया। प्रदर्शनी में मुख्यत: ऑटोमैटिक स्ट्रीट लाइट,ब्लूटूथ कार,वर्षा जल संग्रहण,एयर प्यूरीफिकेशन मशीन, हर्बल बायोप्लास्टिक, लो कॉस्ट मेडिकल किट, वेस्ट एंड वॉटर मैनेजमेंट सिस्टम एवं स्वास्थ्य व स्वच्छता पर विज्ञान नाटिका की प्रस्तुति विद्यार्थियों द्वारा दिया गया।

आईटीआई पथरिया में कौशल दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन

मुंगेली(समय दर्शन)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था पथरिया में कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्था में संचालित व्यवसायों इलेक्ट्रिशियन, कोपा, फ्टिर एवं वेल्डर में गत वर्ष मुख्य परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मनोरंजन सास्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद प्रतिनिधि बलराम जायसवाल, आहरण एवं संवितरण अधिकारी संजय एस. आगलावे, संस्था प्रमुख सुश्री हेमपुष्पा, प्रशिक्षण अधिकारीगण शरद साहू, अमित कुमार विश्वकर्मा, रवि कुमार मारकण्डे, मनोज एवं मोक्ष कुमार सहित बड़ी संख्या में संस्था के प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

संक्षिप्त-खबर

पानी मे डूबने और साँप के काटने से हुई मौत पर 8 लाख की सहायता राशि मंजूर

महासमुन्द(समय दर्शन)। महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत प्राकृतिक आपदा से मृत्यु होने पर 2 मृतकों के निकटतम वारिसान के लिए चार लाख रुपए के मान से कुल 8 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। इनमें पानी में डूबने से मृत्यु होने पर सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम बैतारी के मृतक सुभाष त्रिपाठी के पुत्र विमल त्रिपाठी एवं सांप के काटने से मृत्यु होने पर पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम चौकबेड़ा की मृत्तिका जयंती टंडन के पिता बालाराम टंडन के लिए चार-चार लाख रुपए आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

बद्री विशाल जोल्हे को बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी बनाये गये

बसना(समय दर्शन)। शिक्षा विभाग में प्रशासनिक कसावट के मद्देनजर तहत बद्री विशाल जोल्हे को विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बसना का नया दायित्व सौंपा गया है। विभागीय आदेश के अनुसार, उन्होंने बीते दिन अपना कार्यभार ग्रहण किया ।

कार्यभार ग्रहण करते ही श्री जोल्हे ने कहा कि वे क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और शैक्षणिक सुधारों को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने विद्यालयों के नियमित निरीक्षण, शिक्षकों की उपस्थिति और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार को अपनी प्रमुख जिम्मेदारी बताया।

स्थानीय शिक्षा अधिकारियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने श्री जोल्हे को नये पद की बधाई देते हुए उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दीं।

बद्री विशाल जोल्हे इससे पूर्व शिक्षा विभाग में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभा चुके हैं और अपने कुशल प्रशासनिक कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं।

इस दौरान नवनियुक्त बीआरसीसी अनिल सिंह साव सहित संकुल समन्वयक एवं शिक्षक पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

कबाड़ से जुगाड: नगर पंचायत में कलाकार राधे यादव बनाया अनुपयोगी सामान से विमान

पाटन (समय दर्शन)। कबाड़ से जुगाड़ बनाकर स्वच्छ भारत मिशन के तहत संदेश देने का काम लगातार पाटन में छालीवुड के मेकअप कलाकार राधे यादव नगर पंचायत पाटन मे युद्ध विमान बनाया है जिसका नाम तेजस दिया गया है। बता दे आपरेशन सिंदूर से भी इसी जोड़ा गया है ।जिसमे नगर पंचायत अध्यछ निक्की भाले राधे यादव को बधाई दी और पूर्व नगर अध्यछ भूपेंद्र कश्यप ने बताया कि विगत कार्यकाल मे भी राधे यादव ने रेल इंजन बनाया था जो सराहनीय रहा। राधे यादव पाटन नगर का नाम रोशन कर रहा है।

सेमरिया स्कूल में सामाजिक अंकेक्षण 2025-2026 का हुआ आयोजन

बिर्रा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान 2025-2026 के अंतर्गत संकुल केन्द्र सेमरिया, विकासखंड बम्हनीडीह, ग्राम पंचायत सेमरिया शासकीय प्राथमिक पूर्व माध्यमिक शाला सेमरिया मे सामाजिक अंकेक्षण शिक्षा गुणवत्ता के कार्यक्रम का बीईओ रत्ना थवाईत बीआरसीसी एच के बेहार के निर्देशन एवं सीआरसी रमेश मेहरा,संकुल समन्वयक विश्वनाथ कश्यप के मार्गदर्शन में शासकीय प्राथमिक पूर्व माध्यमिक शाला सेमरिया में आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता सामाजिक अंकेक्षण अभियान की जानकारी देते हुए प्रभारी प्रधान पाठक उमेश कुमार दुबे ने कहा कि इस सामाजिक अंकेक्षण शिक्षा गुणवत्ता अभियान का प्रमुख उद्देश्य शिक्षा के गुणवत्ता का आकलन,मूल्यांकन, विद्यार्थियों के सीखने की दक्षता का आकलन एवं सामुदायिक सहभागिता बढ़ाना है ।साथ ही बच्चों को सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा मिलने हेतु इस अभियान को प्रारंभ किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन पितांबर प्रसाद कश्यप शिक्षक द्वारा किया गया। सबसे पहले समुदाय व टीम लीडर रामसाय देवांगन, गीताराम धृतलहरे द्वारा शालाओं का सामाजिक अंकेक्षण करते हुए शाला में बच्चों के पढाई के स्तर का आंकलन कर शालाओं को ग्रेड दिया गया। कम ग्रेड वाले में सुधार हेतु कहा गया साथ ही आवश्यक सहयोग देने की बात कही गई ।सामाजिक अंकेक्षण हेतु शाला से सभी को आंमत्रण देते हुए अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति हेतु आग्रह किया गया,साथ ही जनप्रतिनिधियों व समुदाय को अपने किसी खास अवसर या अपने किसी नजदिकी की स्मृति में विद्यालय में न्योता भोजन हेतु अपील किया गया।

मुख्यमंत्री ने 1.98 लाख विद्यार्थियों के खाते में 84.66 करोड़ रूपए की शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृति ऑनलाईन अंतरित की

सुशासन की नई पहल : ऑनलाईन छात्रवृत्ति और शिष्यवृत्ति भुगतान के लिए समय-सीमा निर्धारित

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्य के शैक्षणिक संस्थानों, आश्रम-छात्रावासों और तकनीकी एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रम में पढ़ाई करने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति का भुगतान अब उनके बैंक खाते में ऑनलाईन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज मंत्रालय, महानदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में इन वर्गों के 1.98 लाख विद्यार्थियों के बैंक खातों में 84.66 करोड़ रूपए की शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति ऑनलाईन अंतरित की।

प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि प्री. मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति तथा शिष्यवृत्ति भुगतान के लिए नयी व्यवस्था में माह जून, सितंबर, अक्टूबर एवं दिसंबर में विद्यार्थियों को ऑनलाईन भुगतान किया जाएगा। इस पहल से छात्रों को शैक्षणिक अध्ययन के दौरान होने वाली आर्थिक समस्या से निजात मिलेगी। छात्रवृत्ति पहले विद्यार्थियों को दिसंबर एवं फरवरी-मार्च में वर्ष में एक बार छात्रवृति एवं शिष्यवृति की राशि प्रदान की जाती थी।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में सुशासन की दिशा में लगातार हो रहे इन प्रयासों से शासन-प्रशासन को पूर्व की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक जवाबदेही एवं पारदर्शी बनाया गया है। श्री बोरा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय के हाथों आज आश्रम-छात्रावासों के 1 लाख 86 हजार 50 विद्यार्थियों को शिष्यवृति की द्वितीय किश्त की राशि 79 करोड़ 27 लाख रूपए एवं पो. मैट्रिक छात्रवृत्ति के 12 हजार 142 विद्यार्थियों को 5 करोड़ 38 लाख 81 हजार रूपए विद्यार्थियों के बैंक खातों में राशि अंतरित की गई है। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति और छात्रवृत्ति ऑनलाईन भुगतान की शुरूआत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के हाथों पहली बार 10 जून 2025 को की गई थी। राज्य में संचालित सभी प्री. मैट्रिक छात्रावास एवं आश्रमों को शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पूर्व ही शिष्यवृति की प्रथम किश्त राशि 77 करोड़ रूपए एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में अध्ययनरत छात्रों हेतु भोजन सहाय की प्रथम किश्त के रूप में राशि 8.93 करोड़ रूपए, इस प्रकार कुल 85 करोड़ रूपए की राशि जारी कर एक अभिनव पहल की गई थी। साथ ही इसके दूसरे चरण में 17 जून 2025 को 8370 विद्यार्थियों को छात्रवृति की राशि 6.2 करोड़ रूपए का ऑनलाइन अंतरण किया गया था। इस अवसर पर आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, आदिम जाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने दिवाली पर पेश किए खास ऑफर्स - बीस्पोक एआई होम एप्लायंसेज और विजन एआई टीवी पर शानदार छूट

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने दिवाली के मौके पर बीस्पोक एआई डिजिटल एप्लायंसेज और विजन एआई टीवी पर आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की है। ये ऑफर्स 31 अक्टूबर 2025 तक मान्य हैं और उपभोक्ताओं को इस दिवाली स्मार्ट, एनर्जी-एफिशिएंट और शानदार टेक्नोलॉजी अपनाने का अवसर देते हैं। पूरे देश में परिवारों के त्योहार मनाने के दौरान, सैमसंग अपने एआई-पावर्ड स्मार्ट उपकरण और टीवी को हर घर तक आसानी से पहुँचाने का मौका दे रहा है। इस फेस्टिव अभियान के जरिए सैमसंग ने हर घर में एआई से चलने वाले उपकरण, शानदार मनोरंजन और बिजली की बचत करने वाली कूलिंग लाकर इंटेलिजेंट लिविंग की अपनी प्रतिबद्धता को दिखाया है।

स्मार्ट कनेक्टेड होम अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए, उपभोक्ता चुनिंदा बीस्पोक एआई उपकरणों पर 50,000 रूपये तक कैशबैक और कई मॉडल्स पर 47 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। ये ऑफर्स फ्रिज, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव और एयर कंडीशनर्स पर उपलब्ध हैं। सैमसंग उपभोक्ताओं को आसान फाइनेंस विकल्प भी दे रहा है, जिसमें जीरो डाउन पेमेंट शामिल है। साथ ही, चुनिंदा फ्रिज और वॉशिंग मशीन पर 1 ईएमआई ऑफ का विशेष लाभ भी मिलेगा। 20/5 फाइनेंस स्कीम के तहत सैमसंग पहले ईएमआई का भुगतान करता है, जबकि ग्राहक खरीद के समय अगले 5 महीनों की एडवांस ईएमआई चुकाते हैं। बाकी की राशि 20 महीनों तक नो-कॉस्ट ईएमआई के रूप में दी जाती है। सैमसंग चुनिंदा माइक्रोवेव मॉडल के साथ एक फ्री बोरोसिल किट भी दे रहा है। इसके अलावा, उपभोक्ता सैमसंग की बेहतरीन वारंटी का लाभ उठा सकते हैं, जिसमें फ्रिज के डिजिटल इन्वर्टर कंप्रेसर और वॉशिंग मशीन के डिजिटल इन्वर्टर मोटर पर 20 साल की वारंटी शामिल है, जो लंबे समय तक भरोसे और शांति का अनुभव देती है। उत्साह बढ़ाने के लिए, चुनिंदा बड़ी स्क्रीन वाले सैमसंग टीवी खरीदने पर ग्राहक को फ्री सैमसंग साउंडबार (92,990 रूपये तक) या एआई टीवी (1,40,490 रूपये तक) मिलेगा, जिससे घर पर सिनेमाई

रोशनी के त्योहार का जश्न मनाएं कैलिफ़ोर्निया बादाम की अच्छाई के साथ

रायपुर : जैसे-जैसे दीवाली पूरे देश में घर-घर को रोशनी से जगमगाती है, यह अपने साथ मिलन का आनंद, प्रिय परंपराएँ और स्वादिष्ट व्यंजन लेकर आती है। लेकिन इस खुशियों के मौसम में अक्सर अत्यधिक लज़ीज़ मिठाइयाँ, तले हुए पकवान और हाई-कैलोरी स्नैक्स हमारे फ़िटनेस लक्ष्यों को बिगाड़ सकते हैं। इस दीवाली, हर पल का जश्न मनाएँ लेकिन स्वास्थ्य को त्योहार का केंद्र बनाए रखें। प्रोटीन, फाइबर और हृदय-स्वस्थ वसा से भरपूर बादाम एक ऐसा पौष्टिक विकल्प हैं जो हर दीवाली की थाली में स्वाभाविक रूप से घुल-मिल जाते हैं। इन्हें स्वास्थ्यवर्धक स्नैक, मिठाइयों पर टॉपिंग, या स्वाद और सेहत दोनों से भरपूर उपहार के रूप में पेश किया जा सकता है।

ड्राई फ्रूट्स के राजा कहे जाने वाले बादाम में 15 आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं — जिनमें प्रोटीन, कैल्शियम, ज़िंक, आहार फाइबर, मैग्नीशियम और विटामिन श्र प्रमुख हैं। यह अनेक स्वास्थ्य लाभों के लिए जाने जाते हैं, जैसे ब्लड शुगर नियंत्रण, मांसपेशियों की रिकवरी, हृदय स्वास्थ्य और वज़न प्रबंधन। पोषक तत्वों से भरपूर और बेहद बहुमुखी, बादाम आपको दीवाली का आनंद स्वास्थ्य से समझौता किए बिना मनाने का अवसर देते हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान बताती हैं कि वह कैसे अपने परिवार के साथ त्योहारों का आनंद संतुलित और सजग तरीके से मनाती हैं — दीवाली परिवार और दोस्तों के साथ मिलन और खुशियों का त्योहार है। एक माँ होने के नाते, मैं चाहती हूँ कि इनाया सभी उत्सवों का आनंद ले, लेकिन साथ ही स्वस्थ खाने की आदतें भी सीखे। मैं उसे हमेशा यह सिखाने की कोशिश करती हूँ कि जो खाना हम खाते हैं, उसमें क्या-क्या शामिल होता है। मैंने हमारी दीवाली को और अधिक स्वस्थ बनाने का तरीका खोज लिया है — ज्यादा चीनी और कार्ब वाले खाद्य पदार्थों की जगह बादाम जैसे प्रोटीन-समृद्ध और पोषक तत्वों से भरपूर विकल्पों को अपनाकर। आहार फाइबर और प्रोटीन से भरपूर बादाम लंबे समय तक भूख नियंत्रित रखने में मदद करते हैं, जिससे त्योहारों के दौरान होने वाला अनियंत्रित स्नैकिंग कम हो जाता है। आइए इस दीवाली, अपने प्रियजनों के साथ स्वास्थ्य और खुशियों की रोशनी मनाएँ — हर पौष्टिक कौर के साथ। आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. मधुमिता कृष्णन भी इससे सहमत हैं और पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणाली में बादाम के महत्व पर प्रकाश डालती हैं — आयुर्वेद में आहार (Aahara) को अच्छे स्वास्थ्य की नींव माना गया है।

एवरस्टोन कैपिटल समर्थित मेडटेक कंपनी, इंटीग्रिस मेडटेक लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

वित्त वर्ष 2025 के लिए परिचालन राजस्व के मामले में दूसरी सबसे बड़ी भारतीय मुख्यालय वाली विविध चिकित्सा प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म, इंटीग्रिस मेडटेक ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर दिया है। इस आईपीओ में 1 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों का 925 करोड़ रुपये तक का एक नया निर्गम और 1 रुपये अंकित मूल्य के 21,674,531 इक्विटी शेयरों तक का बिक्री प्रस्ताव शामिल है। प्रवर्तक विक्रेता शेयरधारकों द्वारा बिक्री प्रस्ताव में एवरक्योर होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 15,174,251 इक्विटी शेयर तक, गुरमीत सिंह चुघ द्वारा 3,250,140 इक्विटी शेयर तक और पुनीता शर्मा द्वारा 3,250,140 इक्विटी शेयर तक शामिल हैं। बीआरएलएम के परामर्श से, कंपनी आरओसी के पास आरएचपी दाखिल करने से पहले 185 करोड़ रुपये का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट करने पर विचार कर सकती है। कंपनी शुद्ध आय से प्राप्त धन का उपयोग अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों के साथ-साथ अपनी स्टेप-डाउन सहायक कंपनियों द्वारा लिए गए कुछ ऋणों को चुकाने या पूर्व-भुगतान करने के लिए करने की योजना बना रही है, जिसमें 696.39 करोड़ रुपये तक का कोई भी ब्याज और पूर्व-भुगतान शुल्क शामिल है। धन का एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए भी उपयोग किया जाएगा। गुरमीत सिंह चुघ और पुनीता शर्मा द्वारा सह-स्थापित, इंटीग्रिस की यात्रा कार्डियोलॉजी उत्पादों की बिक्री के साथ शुरू हुई और यह युकोन ड्रग एल्यूटिंग स्टेंट जैसी तकनीकों की शुरूआत के साथ उन्नत विनिर्माण में बदल गई है।

मंत्री श्री देवांगन के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री श्री साय ने 21 कार्यों के लिए 3 करोड़ की दी स्वीकृति

रायपुर। कोरबा नगर विधायक, छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर आबकारी, श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के प्रस्ताव पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण और अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण से क्रमश: दो करोड़ और एक करोड़ कुल तीन करोड़ की राशि की विभिन्न विकास कार्यों के लिए स्वीकृति प्रदान की है। ज्ञातव्य हो कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में कोरबा में मध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण की बैठक हुई थी। बैठक में कैबिनेट मंत्री श्री लखन लाल देवांगन की मांग पर सुनालिया पुल के लिए 9 करोड़ और बालक बालिका क्रीड़ा परिसर हेतु 10-10 करोड़ समेत कई अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं मुख्यमंत्री द्वारा की गई थी। मंत्री श्री देवांगन के प्रस्ताव पर मध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण से कोरबा विधानसभा क्षेत्र में 2.00 करोड़ की लागत से कुल 15 नवीन विकास कार्यों की स्वीकृति मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा प्रदान की गई है। इसी तरह मंत्री श्री देवांगन के प्रस्ताव पर अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण से एक करोड़ की राशि विभिन्न छह विकास कार्यों के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है। इस हेतु मंत्री श्री देवांगन ने मुख्यमंत्री श्री साय का आभार जताया है।

स्वीकृति कार्यों की सूची
मध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण

01. वार्ड क्रमांक 61 बरमपुर बीच बस्ती ट्रांसफार्मर के पास सेन नदी तक नाली एवं कलवर्ट निर्माण कार्य लागत 20 लाख

2. वार्ड क्रमांक 61 बरहमपुर चेतू मंझवार के खेत पास से नदी तक नाली निर्माण कार्य, लागत 20 लाख

3. वार्ड क्रमांक 36 निर्मला स्कूल से विनोद सोनवानी घर तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य लागत 20 लाख

4. वार्ड क्रमांक 36, साधराम राठौर घर से राठिया समाज भवन तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य, लागत 20 लाख

5. वार्ड क्रमांक 36 डिंगापुर जंगल खटाल में मंच निर्माण कार्य लागत 5 लाख

6. वार्ड क्रमांक 28 सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, हेलीपैड के पास लागत 10 लाख

7. वार्ड क्रमांक 32 नर्सिंग कॉलेज के सामने से केशव के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य लागत 15 लाख

8. वार्ड क्रमांक 51, स्याहीमुड़ी ऊपर पारा बस्ती में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 15 लाख

9. वार्ड क्रमांक 35 में रोड खरमोरा हनुमान मंदिर से कमल राठौर के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य लागत 5 लाख।

कुपोषण प्रबंधन में मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिला देश में तीसरे स्थान पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नवगठित आकांक्षी जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी ने कुपोषण प्रबंधन के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट और नवाचारी पहल से राष्ट्रीय स्तर पर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा आयोजित नीति फॉर स्टेट्स-यूज़ केस चैलेंज में जिले को स्वास्थ्य एवं पोषण विषय के अंतर्गत कुपोषण प्रबंधन श्रेणी में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

इस उपलब्धि के लिए जिले की कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति (भा.प्र.से.) को मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (लबसना) में आयोजित समारोह में नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रमण्यम द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान जिले की नवाचारी पहल सैम/मैम इन चिल्ड्रन को दिया गया है, जिसके माध्यम से गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की पहचान, उपचार और निगरानी के लिए सामुदायिक आधारित सशक्त मॉडल विकसित किया गया। सितंबर

2024 में प्रारंभ हुए हमर स्वस्थ लइका अभियान के तहत संवर्धित टेक होम राशन के प्रयोग से बच्चों की पोषण स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इस पहल से बच्चों की रिकवरी दर 56 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

इसके अतिरिक्त, साप्ताहिक माता-पिता बैठकों के माध्यम से पोषण संबंधी व्यवहार परिवर्तन पर बल दिया गया, वहीं बच्चों की साप्ताहिक प्रगति की डिजिटल निगरानी के लिए समर्थ्य ऐप का प्रयोग किया गया। डाइट कैलेंडर और पालक कार्ड जैसे उपकरणों से परिवारों में खाद्य विविधता और भोजन की आवृत्ति पर निगरानी रखी जा रही है। इस सफलता में जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, यूनिसेफ एम्स रायपुर (राज्य उत्कृष्टता केंद्र) तथा एबीस ग्रुप राजनांदगांव की संयुक्त भूमिका रही।

कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने संकल्पित

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की पोषण सुधार नीतियों के सफल क्रियान्वयन का प्रमाण है। राज्य सरकार ऐसी नवाचारी पहलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भी जिले की टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कुपोषण के खिलाफ यह नवाचारी प्रयास अनुकरणीय है।

मेगा लिंकेज एवं क्रेडिट कैंप में 99 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत

अब लखपति नहीं, करोड़पति बनने का देखें सपना: विधायक श्री राजवाड़े

रायपुर। कोरिया जिला पंचायत परिसर में जिलास्तरीय मेगा लिंकेज एवं क्रेडिट कैंप का भव्य आयोजन किया गया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न शासकीय, अशासकीय एवं निजी बैंकों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बैकुंठपुर विधायक श्री भईयालाल राजवाड़े ने कहा कि स्व-सहायता समूहों और बिहान ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने महिलाओं से कहा, अब लखपति बनना लक्ष्य नहीं, करोड़पति बनने का सपना देखना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की महिला सशक्तिकरण योजनाओं की

सराहना की, जिनके परिणामस्वरूप आज कोरिया जिले की महिलाएं सफलता की नई ऊंचाइयां छू रही हैं।

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि हितग्राहियों और बैंक प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है ताकि ऋण अदायगी समय पर हो और भविष्य में भी सहयोग बना रहे। उन्होंने कहा कि इस मेगा बैंक लिंकेज एवं क्रेडिट कैंप का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त करना, उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम में अधिकारियों ने बताया कि जिले के 16 बैंकों द्वारा कुल 2,123 प्रकरणों में 99 करोड़ 32 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 2,015 प्रकरणों में 80 करोड़ 64 लाख रुपये का वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक ने सबसे अधिक 402 प्रकरणों में लगभग 25 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया है। लाभार्थियों को बिहान, मुद्रा, कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी, आदिवासी वित्त आदि योजनाओं के तहत ऋण दिए गए।

एचएनएलयू में कोलोसस और आईएमयूएनसी का आयोजन, देशभर के 65 विश्वविद्यालयों के 500 युवा कर रहे हिस्सेदारी

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अंतर-विश्वविद्यालय उत्सव का किया शुभारंभ

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर स्थित हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (HNLU) में अंतर-विश्वविद्यालय उत्सव एचएनएलयू कोलोसस और आईएमयूएनसी-2025 (HNLU Colossus and IMUNC-2025) का शुभारंभ किया। 10 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक चलने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में देशभर के 65 विधि विश्वविद्यालयों के 500 युवा हिस्सेदारी कर रहे हैं। विधि की पढ़ाई कर रहे देश के अनेक शहरों से नवा रायपुर में जुटे युवा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं तथा साहित्यिक व सांस्कृतिक आयोजनों में भागीदारी करेंगे। वे मंथन, कूटनीति और वैश्विक समस्याओं के समाधान में भागीदारी के लिए विधि के छात्र-छात्राओं को प्रेरित करने आयोजित अंतरराष्ट्रीय मॉडल संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (International Model United Nations Conference) में भी हिस्सेदारी करेंगे। श्री साव ने मशाल जलाकर कोलोसस और आईएमयूएनसी का उद्घाटन करने के साथ ही खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने शुभारंभ समारोह में देशभर के विधि छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की धरती और भगवान श्रीराम का ननिहाल है। यहां की धरती बहुत खूबसूरत और ऐतिहासिक है। सभी कालों में छत्तीसगढ़ का उल्लेख मिलता है। यहां की उर्वरा, वन और खनिज संपदा से भरी धरती में कोयला से लेकर हीरा तक विद्यमान हैं। यहां के जंगल बहुत सुंदर और विविधताओं से भरे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप लोग बड़े सपने लेकर विधि की पढ़ाई कर रहे हैं। हमारे शरीर और मन की क्षमताएं असीम हैं। आज शिखर पर पहुंचे लोग भी कभी आपके और हमारे जैसे साधारण लोग थे।

श्री साव ने कहा कि हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। कुछ ही वर्षों में देश में अच्छी प्रतिष्ठा अर्जित की है। उन्होंने विद्यार्थियों के सामने पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की मिसाल रखते हुए कहा कि जीवन में असफलताओं से घबराना नहीं है। ऊर्जा, आत्मविश्वास, मेहनत और समर्पण से लक्ष्य की ओर बढ़ना है। आपके सामने सफलता का खुला आकाश है। आप दुनिया की हर ऊंचाई हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि तीन दिनों का यह एचएलएनयू कोलोसस आप लोगों की क्षमता बढ़ाने, सीखने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अच्छा अवसर है। इसका भरपूर लाभ उठाएं। आप लोग सफलता के सर्वोच्च पायदान पर पहुंचे, ऐसी मैं कामना करता हूं।

उद्घाटन समारोह के विशेष अतिथि एन.एच. गोयल वर्ल्ड स्कूल, रायपुर में परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष चक्रवर्ती ने युवाओं से कहा कि आप लोग लोक संगीत को संरक्षित करने का काम करें। हमें अपनी मिट्टी की खूशबू को भूलना नहीं है। उन्होंने कहा कि आप लोग लगन, नियमित अभ्यास और परिश्रम से अपनी विधाओं में विशेषज्ञता हासिल करें। अपनी विधा के साथ ही सभी विधाओं का सम्मान करें। उन्होंने विभिन्न स्पर्धाओं में भागीदारी के लिए नवा रायपुर पहुंचे देशभर के विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) वी.सी. विवेकानंदन ने कहा कि एचएनएलयू कोलोसस पिछले कुछ वर्षों से देश का प्रतिष्ठित आयोजन बन गया है। अगले तीन तीनों में यहां संस्कृति, साहित्य और खेलों का वृहद संगम देखने को मिलेगा। इस आयोजन ने हमारे पूरे परिसर को बेहद जीवंत और गौरवशाली बना दिया है।

संपादकीय

बिहार से शुरुआत हो

कई चरणों में मतदान आम चलन बना हुआ है। मगर साथ ही यह धारणा भी मजबूत हुई है कि इस तरह चुनाव को अत्यधिक खर्चीला बनाया गया है, जिससे कम संसाधन वाले दलों के लिए प्रतिकूल स्थितियां बनी हैं। बिहार के राजनीतिक दलों में बनी यह सहमति महत्त्वपूर्ण है कि विधानसभा चुनाव के लिए मतदान एक या अधिक से अधिक दो चरणों में कराया जाना चाहिए। निर्वाचन आयुक्तों के साथ बैठक में इन दलों ने यह राय दो-टूक लहजे में बताई। उनका यह तर्क गौरतलब है कि राज्य में ना तो कानून-व्यवस्था की कोई समस्या है और ना ही अब पहले जैसे नक्सल ग्रस्त इलाके हैं, जिन्हें तर्क बना कर अनेक चरणों में मतदान कराने की शुरुआत की गई थी। हालांकि 1990 के दशक में जब यह शुरुआत हुई, तब भी इसके पीछे की मंशा पर सवाल उठे थे, लेकिन तब प्रभु वर्ग में बिहार और पश्चिम बंगाल को लेकर एक खास तरह का प्रतिक्रिया भाव था, जिससे आयोग इस योजना को अमली जामा पहना सका। कई चरणों में मतदान धीरे-धीरे देश के अनेक हिस्सों में आम चलन बन गया। मगर साथ ही यह धारणा भी मजबूत हुई है कि इस तरह चुनाव को अत्यधिक खर्चीला बनाया गया है, जिससे कम संसाधन वाले दलों के लिए प्रतिकूल स्थितियां बनी हैं। जबकि यह सत्ताधारी दलों के अनुकूल रहा है। अच्छी बात है कि केंद्र में सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दलों की बिहार की ईकाइयों ने भी निर्वाचन आयोग के सामने कहा कि एक या दो चरणों में चुनाव करवा कर दलों एवं उम्मीदवारों को अतिरिक्त खर्च के बोझ से बचाया जा सकता है। खर्च के अलावा हाल में एक दूसरी समस्या भी खड़ी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के रख-रखाव और उस दौरान कथित हेरफेर की शिकायतों का फैलना अब हर चुनाव की कहानी बन गया है। इस संबंध में मतदान से लेकर मतगणना के दिन तक सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं छायी रहती हैं। इसका भी समाधान मतदान के बाद यथाशीघ्र गणना ही है। वैसे भी वोट डालने के बाद हफ्तों या कई बार महीने भर से भी ज्यादा तक परिणाम का इंतजार करना विसंगति भरा अहसास देता है। इसलिए बिहार के दलों ने जो कहा है, निर्वाचन आयोग को अवश्य ही उसके अनुरूप चुनाव कार्यक्रम घोषित करना चाहिए। इससे एक नई शुरुआत होगी, जिसे देश भर में अपनाया जा सकेगा।

हम युद्ध में लड़े नहीं पर शामिल है

श्रुति व्यास

दो साल हो गए है। एक ऐसे युद्ध के, जिसके हम सब, पूरी दुनिया किसी न किसी रूप में गवाह बनी हैं। इसे सभी ने हथियार उठाकर नहीं, बल्कि स्क्रीन उठाए देखा है। हथेली में थमी उस चमकदार स्क्रीन पर हमने सब होते देखा। भय और भयावहता को लाइव फीड की तरह देखा। फिर धीरे-धीरे देखने की आदत ही बना ली! सात अक्तूबर के दिन जब हमास ने हमला किया तो वह अक्लपनीय था। सब हतप्रभ। कुछ ही घंटों मे 1,200 से अधिक इजराइली मारे गए, ज्यादातर मासूम नागरिक। घरों में, सड़कों पर, कीबुत्ज़ में, जीवन का उत्सव मनाने वाले एक संगीत समारोह में सभी तरफ। तब दुनिया ने देखा — हमास के लड़ाकों द्वारा युवा महिलाओं को बंदी बनाते हुए। उनमें से एक को निर्वस्त्र कर, बेइज़्ज़ती करते हुए ग़ाज़ा की गलियों में ट्रक पर घुमाया गया। उसके परिवार को खबर तक नहीं थी कि वह मर चुकी है, जबकि दुनिया देख चुकी थी। हमने टीवी पर उस पिता को देखा जो कैमरे के सामने टूट रहा था, अपनी अगवा की गई बेटी के लिए विनती करता हुआ — उसका दुख दुनिया भर में प्रसारित हुआ, और हम सब बस देखते रहे। थोड़े दिन इजराइल का जवाबी हमला तर्कसंगत लगा। एक देश की संप्रभुता, आतंक-विरोध और न्याय की भाषा में ढला हुआ। बेंजामिन नेतन्याहू के इजराइल ने वही अमेरिकी मिसाल दोहराई- अगर अमेरिका 9/11 के बाद अल-कायदा को मिटाने के लिए युद्ध कर सकता है, तो इजराइलनभी हमास को नष्ट करने के लिए कर सकता है। लेकिन इस भाषा के नीचे राजनीति की सुविधा छिपी थी। नेतन्याहू, जो घरेलू भ्रष्टाचार मामलों और विरोध प्रदर्शनों से घिरे थे, उन्हें युद्ध में राहत मिली — एक संकट जो विरोध को निगल गया, एक भय जो जनता को एक साथ बाँध गया। और इसके साथ ही शुरू हुआ दूसरा नरसंहार। इजराइली रॉकेटों ने ग़ाज़ा की बस्तियाँ समतल कर दीं। पूरे-पूरे परिवार एक ही वार में मिट गए। अस्पताल ईंधन के अभाव में अंधेरे में डूब गए। बच्चे तख्तों पर रखकर निकाले गए, राहत-काफ़िले सीमाओं पर रोके गए, शरणार्थी नंगे पाँव मलबे पर चलने लगे। यूनिसेफ़ के अनुसार युद्ध शुरू होने के बाद से ग़ाज़ा में 19 हज़ार से अधिक बच्चे मारे गए या लापता हुए हैं। और फिर आई मानव-निर्मित अकाल की त्रासदी। भूखे बच्चे, लापता माता-पिता, और एक ऐसी दुनिया जो न पहुँच सकी, न बोल सकी। हमने वह दृश्य भी देखा जब अल-जज़ीरा के पत्रकार वायल दहदूह मलबे के बीच खड़े होकर रिपोर्टिंग करते हैं — उसी आवाज़ में जिसमें वे अपनी पत्नी और चार बच्चों की मौत की ख़बर बताते हैं। कुछ दिन पहले, एक और पिता की तस्वीर देखी — अपनी एकमात्र बेटी नूर के लिए विलाप करता हुआ। छह वर्षों के इंतज़ार के बाद मिली वह बच्ची, जिसे उसने मलबे के नीचे खो दिया। माँ, चेहरे पर धूल और अविश्वास लिए, उस खंडहर पर खड़ी थी जिसने उसका पूरा संसार निगल लिया था। बचावकर्मी नंगे हाथों से मलबा खोद रहे थे, जब तक कि उन्हें वह छोटी सी निस्पंद देह नहीं मिली — जीवन रहित, पर माता-पिता अब भी साँस माँग रहे थे जहाँ अब साँस बाकी नहीं थी।

दो साल बीत गए, और हर तस्वीर एक-सी हो गई — भयावह, परिचित, निर्दय। इजराइल में ख़ाली कुर्सियाँ, शब्बात डिनर पर गुम लोग, वे परिवार जो हर सुबह अनुपस्थिति के साथ जागते हैं। ग़ाज़ा में तंबू, मलबा, बेनाम कब्रें, धूल से ढके चेहरे। दोनों ओर से हर तस्वीर एक ही प्रश्न पूछती है — यह युद्ध अब क्या हासिल करना चाहता है?

लेकिन जबकि यह सवाल अब भी अनुत्तरित है, राजनीति की मशीनरी चलती रहती है। शांति की बातचीतें फिर शुरू होती हैं — हर बार की तरह, जल्दबाज़ी में, औपचारिकता की तरह। क्योंकि हम पहले भी यहाँ आ चुके हैं — बार-बार।

अक्तूबर 2023 के बाद से इजराइल और हमास के बीच सात युद्धविराम किए गए या प्रयास हुए। पहला, नवंबर में, सात दिनों की संधि थी — 100 से अधिक इजराइली बंधक और 240 फ़िलिस्तीनी कैदी छोड़े गए। फिर जैसे हर बार होता है, समझौते की स्याही सूखने से पहले ही बमबारी शुरू हो गई। बाद के सभी प्रयास — मिस्र, क़तर और अमेरिका की मध्यस्थता में — कुछ दिनों में ढह गए।

बिहार में बजा चुनावी बिगुल, किसकी पूरी होगी आस, किसकी टूटेगी उम्मीद

उमेश चतुर्वेदी

हर बार की तरह बिहार विधानसभा का मौजूदा चुनाव उन सभी लोगों के लिए उम्मीदें लेकर आया है, जो खुद चुनाव मैदान में उतरने जा रहे हैं.. उनके समर्थकों की भी उनकी कामयाबी से आस लगी है। कार्यकर्ताओं का बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जिसकी सेहत उस दल की जीत या हार पर निर्भर करती है, जिससे उसकी प्रतिबद्धता जुड़ी होती है। लेकिन सबसे ज्यादा उम्मीद पहली बार खुद चुनावी मैदान में उतरने जा रहे प्रशांत किशोर को है। उम्मीद तो तेजस्वी यादव को भी है। उन्हें लगता है कि इस बार उनके नाम के बाद अतीत में लगे उप विशेषण से मुक्ति मिल जाएगी। उम्मीद उस बीजेपी को भी है, जो अपने सहयोगी की तुलना में संख्या बल में ताकवतर होने के बावजूद छोटे भाई की भूमिका निभाने को मजबूर रही है। आस तेजप्रताप को भी है कि वे लालू-राबड़ी की छाया से दूर होने के बावजूद चुनावी मैदान में कमाल दिखाने में वे सफल रहे हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को भी ऐसी ही उम्मीदें हैं। उसे भावी सरकार में हिस्सेदारी की आस है। लेकिन अन्य दलों की तुलना में उसकी उम्मीद कुछ अलग भी है। उसे लगता है कि अगर इस चुनाव में तेजस्वी की अगुआई वाले उसके गठबंधन ने मोदी-नीतीश की जोड़ी को पटखनी दे दी तो दिल्ली के ताज तक की उसकी यात्रा आसान हो जाएगी। उम्मीदें खोखली नहीं होतीं। उनका कुछ ठोस आधार भी होता है। इस लिहाज से देखें तो हर पार्टी और उसके बड़े नेताओं की आस के कुछ ठोस आधार हैं। तेजस्वी यादव को लगता है कि उनके गठबंधन में शामिल कांग्रेस के चलते उनके पारंपरिक मुस्लिम-यादव गठजोड़ को राज्य के सवर्ण तबके के एक वर्ग का वोट मिल सकता है। पिछले चुनाव में उनका गठबंधन नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन की तुलना में महज साढ़े सोलह हजार के करीब वोटों से ही पिछड़ गया था। उन्हें लगता है कि इस बार इस कमी को ना सिर्फ उनका गठबंधन पूरा कर लेगा,बल्कि आगे भी निकल जाएगा। लेकिन उन्हें भूलना नहीं चाहिए कि पिछली बार चिराग पासवान की अगुआई वाली लोक जनशक्ति पार्टी एनडीए से अलग होकर लड़ रही थी। तब उनका अघोषित और घोषित-दोनों उद्देश्य नीतीश कुमार को पटखनी देना था। इसमें वे पूरी तरह कामयाब तो नहीं हुए, अलबत्ता नीतीश के नतीजों को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहे। नीतीश की पार्टी को महज 43 सीटों से संतोष करना पड़ा था। लेकिन इस बार चिराग नीतीश के साथ हैं। अंदरखाने में भले ही वे नीतीश का साथ नहीं दे रहे हों, लेकिन करीब दस फीसद पासवान वोटरों का आधार एनडीए को मुहैया करा रहे हैं। इसलिए तेजस्वी को इस बार कहीं ज्यादा मेहनत करनी होगी। उन्हें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के ठोस वोट बैंक में गहरी सेंध लगानी होगी। तेजस्वी के लिए राहत की बात यह है कि सीमांचल की 28 सीटों पर उन्हें चुनौती देने वाली एआईएम इस बार उनसे गठबंधन करने के लिए लालायित है। अगर बात बन जाती है तो तेजस्वी के गठबंधन के लिए चुनावी वैतरणी थोड़ी आसान हो जाएगी। लेकिन तेजस्वी की राह का एक बड़ा रोड़ा उनके बड़े भाई तेजप्रताप हैं। जिन्हें उनकी दो बहनों का परोक्ष साथ भी मिल रहा है। इससे बिहार के उनके कोर वोटरों में संदेश गया है कि परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। अगर तेजस्वी के साथ यादव युवाओं का एक वर्ग खड़ा हो गया तो ओबैसी के आने से मिलने वाले फायदे जितना तेजस्वी को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

रही बात नीतीश कुमार की तो इस बार का चुनाव एक तरह से उनका आखिरी चुनाव है। हालांकि पिछली बार यानी 2020 में जब वे चुनावी चक्रव्यूह में फंसे नजर आ रहे थे तो उन्होंने कुछ सभाओं में पिछले ही चुनाव को आखिरी बता दिया था। यह बात और है कि इस बार अभी तक ऐसा उन्होंने कोई संदेश नहीं दिया है। लेकिन बिहार के सियासी और लोक गलियारों में जिस तरह उनके स्वास्थ्य को लेकर चर्चाएं हैं, उससे माना जा रहा है कि इस बार का चुनाव एक तरह से उनका आखिरी चुनाव होगा। राजनीतिक दुनिया में यह भी माना जा रहा है कि इस बार वे बीजेपी से यह गारंटी चाहेंगे कि उनके बेटे निशांत का नेतृत्व स्थापित हो जाए। निशांत ने कुछ महीने पहले राजनीतिक सक्रियता दिखाकर ऐसा संकेत भी दिया था। हालांकि कुछ अरसे से उन्होंने सियासी चुप्पी ओढ़ ली है। उनके इस रूख से माना जा रहा है कि बीजेपी से अंदरखाने में किसी ठोस बिंदु पर बातचीत हो चकी है। हो सकता है कि निशांत विधानसभा का चुनाव ना लड़ें। लेकिन वे चुनाव बाद विधान परिषद में ठीक उसी तरह आ सकते हैं, जैसे उनके पिता आए। याद कीजिए, 2005 के जिस विधानसभा चुनाव में विजय के साथ नीतीश ने लालू राज को उखाड़ फेंका था, उस बार भी उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था और विधान परिषद के सदस्य के नाते उन्होंने सरकार की अगुआई की थी। इस बार के चुनाव में जनता दल यू एकजुट तो दिखेगा, लेकिन चुनाव मैदान में सबसे ज्यादा सवालों का सामना अशोक चौधरी को करना होगा। जिनके भ्रष्टाचार की गाथा को प्रशांत किशोर लोकमानस के बीच पहुंचा चुके हैं। उनकी ही तर्ज पर बीजेपी की ओर से उप मुख्यमंत्री बने मुरेठाधारी सम्राट चौधरी के लिए भी खुद का बचाव करना मुश्किल होगा, जिनके शैक्षिक प्रमाण पत्र और हत्या के एक आरोप में बरी होने को प्रशांत किशोर ने बिहार का सवाल बनाकर रख दिया है। बीजेपी इस बार चाहती है कि वह राज्य में बड़े भाई की भूमिका में रहे। बड़े भाई की भूमिका में आने के बाद ही वह राज्य की सर्वोच्च पार्टी बन सकती है। 1967 में समाजवादियों के साथ उसने जहां भी सरकार बनाई, उन राज्यों में बाद के दिनों में वह ना सिर्फ नंबर एक बन गई,बल्कि साथी समाजवादी दूर कहीं पीछे छूटते नजर आए। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, हरियाणा और कर्नाटक इसके उदाहरण हैं। लेकिन बिहार में अब भी वह खुद के दम पर अपना वजूद स्थापित करने से दूर है। इस बार बीजेपी चाहेगी कि राज्यमें उसकी अगुआई में सरकार बने। इसके लिए उसने अपने दो बड़े कद्दावर रणनीतिकारों धर्मेंद्र प्रधान और विनोद तावड़े को मैदान में उतार दिया है। दोनों ने बिहार में अपने ढंग से ऑपरेशन शुरू कर दिया है। मैथिली की लोक गायिका मैथिली ठाकुर को बीजेपी एक तरह से अपना उम्मीदवार घोषिकर ही चुकी है। सत्ता पर काबिज होने और राज्य की नंबर एक सियासी पार्टी बनने के लिए मोदी-शाह के युग में पार्टी ने नई रणनीति अख्तियार की है। वह लोकप्रिय चेहरों को अपने साथ जोडने में देर नहीं लगाती। वैचारिक रूप से विरोधी रहे लोगों को भी अपने पाले में लाने में उसे गुरेज नहीं रहा। बशर्ते कि उनके आने से पार्टी को दूरगामी राजनीतिक फायदा मिलता दिख रहा हो। मैथिली ठाकुर का अतीत ऐसा नहीं है। मिथिला के लोक रंग में पली मैथिली एक तरह से भारतीय जनता पार्टी की पारंपरिक हिंदुत्व की राजनीति की नजदीकी ही लगती हैं। चुनाव के दौरान बीजेपी ऐसे कई और चेहरों पर दांव लगा सकती है।

बीजेपी को उम्मीद अपने मजबूत रणनीतिक वोट बैंक पर है। अति पिछड़ों और सवर्ण तबके में उसकी पकड़ अच्छी है। कभी पिछड़ावादी राजनीति जिस समुदाय को भूराबाल यानी भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और लाला यानी कायस्थ कहकर हिकारत का भाव दिखाती थी, उसे यह वर्ग भूला नहीं है। हालांकि हाल के दिनों में बीजेपी की ओर से पिछड़ावादी राजनीति को बढ़ावा देने और उसी समुदाय से नेतृत्व उभारने के चलते सवर्ण तबके का एक वर्ग नीतीश-बीजेपी जोड़ी से नाखुश भी है। लेकिन यह भी तय है कि जैसे इस वर्ग को लगेगा कि राष्ट्रीय जनता दल की अगुआई वाला गठबंधन जीत रहा है, एकजुट होकर बीजेपी-नीतीश गठबंधन को टूटकर वोट डालेगा। मुसहर और अति दलित जातियां बीजेपी के साथ नजर आ रही हैं। बिहार की राजनीति में कोईरी-कुर्मी की जोड़ी को लवकुश कहा जाता रहा है। नीतीश बेशक अपनी बिरादरी कुर्मी के ही नेता नहीं माने जाते, लेकिन कुर्मी समुदाय उन्हें ही अपना नेता मानता है। कुशवाहा यानी कोईरी वर्ग के नेता उपेंद्र कुशवाहा इसी गठबंधन में हैं। चिराग भी मजबूती के साथ खड़े हैं। लिहाजा जाति और धर्म की कीमियागिरी वाली बिहारी राजनीति में बीजेपी की अगुआई वाले गठबंधन के लिए यह जातीय मसाला बड़ी काम की चीज है।

इस बीच कई लोगों की उम्मीद की किरण प्रशांत किशोर बनकर उभरे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें सिर्फ सवर्ण तबके के युवाओं का समर्थन हासिल है। लेकिन जमीनी स्तर पर निगाह रखने वाले राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बेशक प्रशांत किशोर के समर्थक युवाओं में सबसे बड़ी संख्या सवर्ण युवाओं की है। लेकिन अन्य वर्ग के भी पढ़े-लिखे युवा भी प्रशांत किशोर के साथ हैं। उन्हें लगता है कि भ्रष्टाचार, जातिवाद और धर्म केंद्रित राजनीति में प्रशांत किशोर बिहार के लिए उम्मीद की नई किरण हैं। जिस तरह 2013 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में राजनीतिक और चुनावी विश्लेषक अरविंद केजरीवाल को विशेष तवज्जो नहीं दे रहे थे, कुछ वैसी ही सोच प्रशांत किशोर को लेकर भी दिख रही है। लेकिन जिस तरह नतीजों में अरविंद केजरीवाल ने लोगों और चुनाव विश्लेषकों को चौंकाया था, हो सकता है कि बिहार की जनता प्रशांत किशोर को लेकर वैसे ही देश-दुनिया को चौंकाने का मौका दे सकती है। इससे बिहार में अपनी साख को दांव पर लगा रहा हर दल चिंतित भी है और परेशान भी। वैसे प्रशांत किशोर का मानना है कि 243 सदस्यीय विधानसभा में या तो उन्हें 150 सीटें मिलेंगी या फिर दस-पंद्रह। इस लिहाज से देखें तो प्रशांत किशोर जमीनी स्तर की बात कर रहे हैं। हो सकता है कि नतीजे कुछ ऐसे ही रहें। वैसे अपना आकलन है कि वे बिहार की राजनीति में सेंध लगाने में कामयाब रहेंगे, लेकिन सरकार बनाने के जादुई आंकड़े को छू पाना उनके लिए कठिन रहने वाला है। बिहार की धरती लोकतंत्र की जननी रही है। आधुनिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया यहां भले ही देश के बाकी हिस्से की तरह पूरी होती रही हो, लेकिन जाति और धर्म के खांचे में बैठी होने के चलते वह खासा बदनाम भी रही है। प्रशांत किशोर से शुरू में उम्मीद बढ़ी कि वे ऐसी ही राजनीति करेंगे। लेकिन पार्टी गठन के बाद जिस तरह उन्होंने धर्म विशेषकर मुसलमान समुदाय के लोगों को तवज्जो देने की बात करनी शुरू की, नई तरह की राजनीति की उम्मीद जताए बैठे लोगों को उनसे थोड़ी निराशा भी हुई। इस वजह से उनकी चुनौती बढ़ी भी है।

चुनाव नतीजों के बाद किसी की उम्मीद कामयाब दिखेगी तो किसी की टूटती दिखेगी। लेकिन एक शख्स ऐसा अब भी है, जिनकी उम्मीद फ्लिहाल टूटती नजर आ रही है। उपेंद्र कुशवाहा को लेकर उनके समर्थकों को आस थी कि जल्द ही वे केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान बना पाने में कामयाब रहेंगे। लेकिन चुनावों की घोषणा के साथ ऐसा होना संभव नहीं रहा।

राहुल गांधी अपना काम कर रहे हैं

अजीत द्विवेदी

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के असली सर्वोच्च नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी क्या कुछ ऐसा कर रहे हैं, जो उनको नहीं करना चाहिए? यह बड़ा सवाल है क्योंकि वे जो कुछ भी करते हैं उस पर सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से सवाल उठाया जाता है और सोशल मीडिया में सक्रिय भाजपा के इकोसिस्टम व कथित पत्रकारों की ओर से भी सवाल उठाया जाता है। वे युवाओं की बात करते हैं तो कहा जाता है कि युवाओं को उकसा रहे हैं। वे लद्दाख के आंदोलन का समर्थन करते हैं तो कहा जाता है कि देश तोड़ने वालों के साथ हैं। विदेश में जाकर भाषण देते हैं और मौजूदा सरकार की कमियां गिनाते हैं तो उन पर विदेश में जाकर देश विरोधी काम करने का आरोप लगाया जाता है। वे 'वोट चोरी' के आरोप लगाते हैं और मतदाता सूची में गड़बड़ी का मुद्दा उठाते हैं तो कहा जाता है कि वे संस्थाओं को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। वे क्रोनी कैपिटलिज्म का मुद्दा उठाते हैं तो कहा जाता है कि वे देश में आर्थिक तरक्की नहीं चाहते हैं और देश को पिछड़ा बनाए रखना चाहते हैं इसलिए उद्योगपतियों पर सवाल उठा रहे हैं। आदि, आदि।

वास्तविकता यह है कि इनमें से कोई भी काम ऐसा नहीं है, जो मुख्य विपक्षी पार्टी का नेता होने और लोकसभा में नेता विपक्ष होने के नाते उनको नहीं करना चाहिए। वे वही काम कर रहे हैं, जो करने की जिम्मेदारी उनको देश के नागरिकों ने दी है। ध्यान रहे देश के मतदाता सिर्फ सरकार नहीं चुनते हैं, बल्कि विपक्ष भी चुनते हैं। उन्होंने 2014 और 2019 में कमजोर विपक्ष चुना और मजबूत सरकार चुनी। लेकिन 2024 में कमजोर सरकार और मजबूत विपक्ष चुना। देश के सौ करोड़ मतदाताओं के जनादेश से ही नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तो राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष बने हैं। जैसे प्रधानमंत्री जनता की ओर से दी गई जिम्मेदारी निभा रहे हैं वैसे ही राहुल गांधी भी मतदाताओं द्वारा की गई जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

हां, यह जरूर है कि वे इस जिम्मेदारी को और बेहतर ढंग से निभा सकते थे। उनके पास अब 21 साल का राजनीतिक और विधायी कामकाज का अनुभव है। इसमें से 10 साल उनकी पार्टी सरकार में रही तो निश्चित रूप से सरकार के कामकाज भी उनकी भूमिका रही। सो, वे सरकारी कामकाज के तौर तरीकों से परिचित हैं तो 11 साल की विपक्ष की राजनीति करके वे विपक्ष की भूमिका से भी बखूबी परिचित हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को एक मजबूत विपक्ष के तौर पर काम करते देखा है। उन्हें यह जरूर सोचना चाहिए कि क्या वे उस तरह से विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं, जैसे भाजपा ने 2004 से 2014 के बीच निभाई थी? विपक्ष की भूमिका से आशय संसद के अंदर के कामकाज से नहीं है। वहां तो कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियां भी वैसे ही संसद स्थगित कर रही हैं, हंगामे और नारेबाजी कर रही हैं, जैसे भाजपा करती थी। लेकिन संसद के बाहर और मीडिया स्पेस में जिस तरह से भाजपा ने काम किया वह विपक्ष की टेक्स्टबुक भूमिका थी। कांग्रेस के सरकार में होने के बावजूद भाजपा ने कानून व्यवस्था से लेकर भ्रष्टाचार और महंगाई तक अपना नैरेटिव बनाया और कांग्रेस सारे समय उसका जवाब देती रही।

इसके उलट आज जब राहुल गांधी और कांग्रेस विपक्ष में हैं तब भी भाजपा और सरकार ही नैरेटिव बना रहे हैं और कांग्रेस उनका जवाब दे रही है। यानी विपक्ष में होकर भी कांग्रेस रिसीविंग मोड में है। यह भाजपा के नैरेटिव की ताकत है, उसकी होशियारी, अति सक्रियता और संसाधनों की बहुतायत है या कांग्रेस की कमजोरी है यह अलग बहस का विषय है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि पिछले 11 साल में एकाध मौकों को छोड़ दें तो कांग्रेस कभी भी सरकार को घेरने, उसे बैकफुट पर लाने और उसको जवाबदेह बनाने वाले नैरेटिव के सेंटर में नहीं रही। ज्यादातर मौकों पर अराजनीतिक समूहों ने सरकार को जवाबदेह बनाया। कांग्रेस को इस पर विचार करने की जरुरत है कि आखिर वह क्यों बहुत प्रभावी विपक्ष की भूमिका नहीं निभा पा रही है। उसे इस पर भी सोचना चाहिए कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैसे लगातार एंटी इन्कम्बैंसी को कम करने या बढ़ने नहीं देने के लिए काम कर रहे हैं।

बहरहाल, विषयांतर हो रहा है लेकिन मूल बात यह है कि राहुल गांधी वही काम कर रहे हैं, जो देश के नेता प्रतिपक्ष के नाते उनको करना चाहिए। राहुल गांधी अगर चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं और उसकी निष्ठा संदिग्ध बता रहे हैं तो वे ऐसा करने वाले पहले नेता प्रतिपक्ष नहीं हैं। जब भाजपा विपक्ष में थी तो उसके नेता भी चुनाव आयोग पर, चुनाव प्रक्रिया पर और ईवीएम पर सवाल उठाते रहे हैं। लालकृष्ण आडवाणी ने ईवीएम पर सवाल उठाए थे और उनके करीबी जीवीएल नरसिंहराव ने इस पर किताब लिखी थी। बाद में जीवीएल को राज्यसभा भेजा गया था। उससे भी बहुत पहले जब बैलेट से चुनाव होता था आडवाणी और दूसरे विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया था इंदिरा गांधी ने बैलेट पर ठप्पा लगाने वाली स्याही रूस से मंगाई है, जो मिट जाती है। सो, आज राहुल गांधी कह रहे हैं कि चुनाव आयोग मतदाता सूची में और मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ कर रहा है तो यह विपक्ष के नेता का स्वाभाविक आरोप है।

ऐसे ही राहुल गांधी जब 'जेन जी' यानी 13 साल से लेकर 28 साल तक के युवाओं की बात करते हैं और कहते हैं कि उनको 'वोट चोरी' की असलियत का यकीन हो गया तो वे बरदाश्त नहीं करेंगे। इस पर भाजपा कह रही है कि राहुल गांधी युवाओं को नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसी तख्तापलट के लिए उकसा रहे हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि पहले विपक्षी नेताओं ने इस तरह की बात नहीं की है या तख्तापलट की अपील नहीं की है। तमाम समाजवादी नेता आज भी राममनोहर लोहिया की इस बात को दोहराते हैं कि, 'जिंदा कौमें पांच साल तक इंतजार नहीं करतीं'। यहां तो लोहिया साफ साफ लोगों को बगावत के लिए उकसाते दिख रहे हैं लेकिन उनके इस बयान को स्वाभाविक लोकतांत्रिक भावना के तौर पर देखा गया। ऐसे ही जयप्रकाश नारायण ने जब सेना और पुलिस से अपील की थी कि वे सरकार के साथ असहयोग करें तो तब की कांग्रेस सरकार ने यही कहा था कि वे सेना और पुलिस को बगावत के लिए उकसा रहे हैं। लेकिन तब से लेकर आज तक यही माना जाता है कि जेपी लोकतंत्र की रक्षा कर रहे थे। सो, अगर डॉक्टर लोहिया और जेपी गलत नहीं थे तो राहुल कैसे गलत हैं?

जहां तक विदेश जाकर सरकार के खिलाफ बोलने का सवाल है तो इसका भी लंबा इतिहास रहा है। खुद प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने विदेशी धरती पर जाकर अपने से पहले वाली सरकारों के कामकाज की खूब आलोचना की। एक बार तो वे भवावेश में यहां तक कह गए थे कि 2014 से पहले लोगों को शर्म आती थी कि कहां से भारत में पैदा हो गए। यह बात मोदी ने विदेश में ही कही थी। उससे बहुत पहले जब संविधान के प्रावधानों का इस्तेमाल करके इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाई थी तब सुब्रह्मण्यम स्वामी भी विदेश जाकर भारत सरकार के खिलाफ समर्थन जुटा रहे थे तो जेल में बंद जॉर्ज फर्नांडीज की पत्नी लैला कबीर भी विदेश जाकर उनकी रिहाई का आंदोलन चला रही थीं। सो, विदेश जाकर अपने देश की सरकार के कामकाज की आलोचना करना देश का अपमान नहीं होता है।

अब रही बात जन आंदोलनों का समर्थन करने की तो यह सबसे हैरान करने वाली बात है कि आंदोलनों से बनी और दशकों तक लगातार विपक्ष में रह कर आंदोलन खड़ा करने वाली भारतीय जनसंघ और भाजपा के नेता कैसे आंदोलन के समर्थन को देश विरोध बता सकते हैं? राहुल ने किसान आंदोलन का समर्थन किया या सीएए के खिलाफ हुए आंदोलन का समर्थन किया या लद्दाख के आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। ये सभी लोकतांत्रिक आंदोलन थे, जो इस देश के नागरिकों ने अपने अधिकार के लिए चलाए थे।

यह सरकार का जिम्मा होता है कि वह आंदोलन करने वालों से बात करे, उनकी मांगें सुने और उसका समाधान करे। विपक्ष तो ऐसे आंदोलन का समर्थन करेगा ही। अफसोस की बात है कि खुद कांग्रेस और राहुल गांधी कोई आंदोलन खड़ा नहीं कर पा रहे हैं। विपक्ष में रहते हुए भाजपा ने और उससे पहले भारतीय जनसंघ ने अनेक आंदोलन खड़े किए।

इन उपायों से पाएं टॉन्सिल इन्फेक्शन से छुटकारा

बदलते मौसम का सबसे ज्यादा असर हमारी हेल्थ पर पड़ता है। सर्द मौसम दस्तक दे रहा है और हमारी खाने-पीने की आदतें अभी भी समर सीजन वाली है। अक्सर गले में दर्द सर्दी-जुकाम के कारण होता है जो कुछ दिनों में ठीक हो जाता है। अगर गले का दर्द एक हफ्ते से ज्यादा रहे तो आपको टॉन्सिल में इन्फेक्शन की परेशानी हो सकती है। टॉन्सिल में इन्फेक्शन होने पर गले में दर्द रहता है और टॉन्सिल सूज जाते हैं। टॉन्सिल में सूजन होने से ना सिर्फ खाने-पीने में दिक्कत होती है बल्कि सलाइवा तक निगलने में दिक्कत होने लगती है। टॉन्सिल में इंफेक्शन होने से गले में दर्द और खराश, बुखार, आवाज में खराबी, गले में जकड़न जैसी समस्याएं बेहद परेशान करती हैं। आप भी गले में इस तरह की परेशानी महसूस कर रहे हैं तो उसका घर में ही उपचार करें।

नींबू से करें उपचार

टॉन्सिल का उपचार करने के लिए नींबू बहुत ही अच्छा घरेलू नुस्खा है। एक गिलास गर्म पानी में नींबू डालें और उसमें शहद और नमक मिलाकर उसका सेवन करें। गर्म पानी के साथ नींबू का सेवन दिन में दो से तीन बार करें आपको गले के दर्द से निजात मिलेगी।

गाजर का जूस दर्द से दिलाएगा राहत

गाजर विटामिन ए का बेहतरीन स्रोत है जो एंटी टॉक्सिन गुणों से भरपूर है। गाजर का जूस विषैले तत्वों और टॉन्सिलिटिस को कम करता है। कुछ लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है जिसकी वजह से भी टॉन्सिलिटिस होता है ऐसे लोग गाजर के जूस का सेवन करें तुरंत राहत मिलेगी।

अंजीर के पेस्ट से करें उपचार

अंजीर को पानी में उबाल कर इसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को गले पर लगाएं। इससे आपको टॉन्सिलिटिस से होने वाले दर्द से आराम मिलेगा।

रात की डाइट में शामिल करें ये स्नैक्स

अधिकतर लोग समझते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी खाना ही काफी होता है। मगर बिजी लाइफ के चलते या स्टूडेंट्स द्वारा रात देर रात तक जागकर पढ़ते रहने से खाने की क्रैविंग होने लगती है जो हेल्थ के लिए ठीक नहीं। इस समस्या से बचने के लिए कुछ ऐसे स्नैक्स का सेवन जरुर करना चाहिए, जो खाने की क्रैविंग को कम करें और आपको हैल्दी रखें। स्नैक्स ना सिर्फ बॉडी में इंफैक्शन को रोकते है साथ ही साथ वजन को भी कम करने मदद करते है। आइए जानते है कुछ ऐसे ही हेल्दी स्नैक्स जिन्हें आप रात की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

वेजिटेबल ऑमलेट - वेजिटेबल ऑमलेट कई प्रकार की सब्जियों से बनता है जो बॉडी को फाइबर, प्रोटीन और कई प्रकार के पोषक तत्व प्रदान करता है। ये रात के वक्त आपकी भूख को कम करते है और नींद दिलाने में मदद करते है।

दलिया - दलिया में फाइबर होता है जिससे भूख कम लगती है। फाइबर से शरीर का वजन ठीक रहता है और इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है। इसके अलावा, अच्छी नींद के लिए दलिया खाना फायदेमंद होता है।

नट्स और फल - वैसे तो हम नट्स और फलों को किसी भी वक्त खा सकते है क्योंकि यह सेहत के लिए हेल्दी ही होते है। इनमें फाइबर, फॉस्फोरस और विटामिन-सी भरपूर मात्रा में होते हैं। इनका रात को सेवन करने से नींद अच्छी आती है और भूख भी कम लगती है।

बादाम - अगर आप नियमित रुप से बादाम खाते है तो आप कई पुरानी बीमारियों से बचे रह सकते है। बादाम दिल से जुड़ी बीमारियों से भी बचाता है। बादाम में मोनोअनसेचुरेटेड फेट, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होता है जो शरीर को स्वस्थ रखता है। इसलिए रात को बादाम खाना सेहत के लिए अच्छा होता है।

मखाना - अगर आपको हर 2-3 घंटे बाद भूख लगती है तो अपनी डाइट में मखानों को शामिल करें क्योंकि इसमे कम वसा होती है जिसे खाने से न तो फैट बढ़ती और न हीं खाने की क्रेविंग रहती हैं।

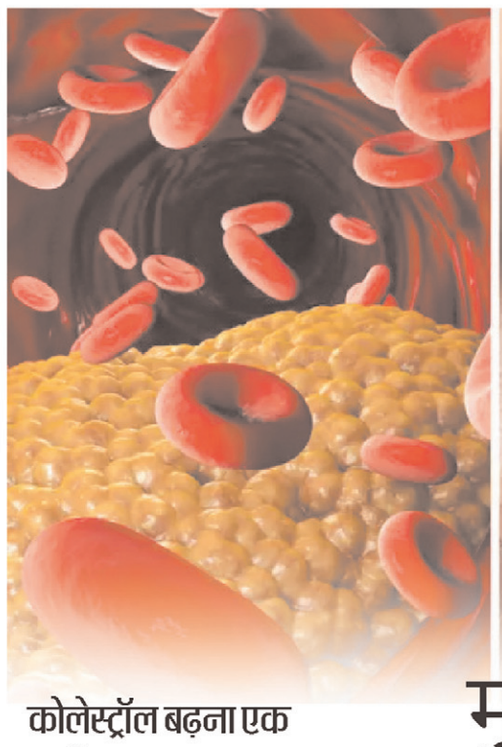

मुंह पर दिख रहे 4 लक्षण बताते हैं खून में बढ़ गया कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इस समस्या पर काबू नहीं पाने से आपको नसों के रोग, दिल के रोग, हार्ट अटैक और यहां तक कि स्ट्रोक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा होता है।

कोलेस्ट्रॉल एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जो खून में जमा होता है और इसका लेवल बढ़ने से नसों में ब्लॉकेज हो सकती है। सबसे चिंता की बात यह है कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का कोई खास लक्षण समझ नहीं आता है और जब तक पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। यही वजह है कि डॉक्टर समय-समय पर कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच कराने की सलाह देते हैं। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि कोलेस्ट्रॉल के लक्षण या संकेत बिल्कुल ही नहीं दिखते हैं। कुछ ऐसे लक्षण हैं, जो आपको अपने चेहरे पर नजर आ सकते हैं। हम आपको कोलेस्ट्रॉल के कुछ ऐसे लक्षण बता रहे हैं, जो किसी व्यक्ति के चेहरे पर दिखाई दे सकते हैं।

चेहरे पर दिखते हैं कोलेस्ट्रॉल के ये लक्षण

ज़ेन्थोमास

कई बार पलकों पर मुलायम उभार हो जाता है, जो हल्का पीला सा नजर आता है और छूने में बहुत मुलायम होता है, जिसे जेन्थोमास कहा जाता है। इस स्थिति में पलकों की त्वचा के नीचे मोम जमा हो जाता है।

कॉर्नियल आर्कस

कई बार कॉर्निया के चारों ओर एक पतली सफेद रेखा दिखाई देती है। ऐसा माना जाता है कि कॉर्नियल आर्कस हाई कोलेस्ट्रॉल का एक बड़ा संकेतक है।

यह लक्षण भी दिख सकते हैं मुंह पर

चेहरे, गालों और माथे पर पीले रंग के उभार भी उच्च कोलेस्ट्रॉल का संकेत देते हैं। ये नितंबों, कोहनियों, हाथों और घुटनों पर भी दिखाई देते हैं।

सोरायसिस- यदि आपको अपने चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर त्वचा पर लाल और खुजली वाले धब्बे दिखाई दें तो तुरंत इसका इलाज कराएं। इसे सोरायसिस कहा जाता है। यह उन लोगों में भी देखी जाती है जिनके खून में कोलेस्ट्रॉल लेवल अधिक होता है।

फाइबर का अधिक सेवन करें

अपनी डाइट में फाइबर वाले फूड्स जैसे कि अनाज, फल, सब्जियां शामिल करें, क्योंकि यह एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा घी, मक्खन, और पालमा तेल की जगह जैतून का तेल, नारियल तेल और कैनोला तेल का उपयोग करें।

सैचुरेटेड फैट से बचें

कोलेस्ट्रॉल का लेवल सैचुरेटेड फैट वाली चीजें जैसे कि रेड मीट, अंडे का पीला हिस्सा और तली हुई चीजों को खाने से बढ़ता है इसलिए इन चीजों का जितना हो सके कम सेवन करें। अपने खाने में प्रोटीन से भरपूर चीजों को अधिक शामिल करें।

रोजाना एक्सरसाइज भी है जरूरी

नियमित व्यायाम करने से एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) बढ़ सकता है और एलडीएल (बुरा कोलेस्ट्रॉल) को कम किया जा सकता है। यदि आपका वजन बढ़ गया है, तो इसे कम करने का प्रयास करें, क्योंकि वजन कम करने से कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है।

शराब और स्मोकिंग से बचें

धूम्रपान और अल्कोहल का सेवन कम करें या बंद करें, क्योंकि ये कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा स्ट्रेस को कम करने के लिए ध्यान, योग, और प्राणायाम का प्रयास करें, क्योंकि स्ट्रेस कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ाने का काम करता है।

आसान तरीकों से मिलेगी पेट की समस्या से निजात

पेट में गडबडी आम समस्या है, जिसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। क्यों ना इसका तुरंत समाधान कर चुस्त रहा जाए महिलाएं पेट की गडबडी की अधिक शिकार होती हैं। इसके कुछ कारण तो बहुत सामान्य होते हैं, पर कुछ ऐसे भी होते हैं, जिनके बारे में ज्यादा मालूम नही होता, इसलिए उस ओर हमारा ध्यान भी नही जाता। कौन से हैं ये कारण, इस बारे में एक जानकारी।

हार्मोन कई महिलाएं माहवारी शुरू होने से पहले पेट में भारीपन, कब्ज और अतिसार की शिकायत करती हैं। माहवारी के शुरू होते ही स्थिति में अचानक बदलाव आता है और यह समस्या अपने आप दूर हो जाती है। सन डियागो में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ के अध्ययनो से पता चलता है कि एस्ट्रोजन हारमोन नसों के तंतुओं को प्रेरित कर आंतो से गुजरने वाले मल की गति को बढा देता है। इसी तरह माहवारी के पहले और माहवारी के दौरान पेट का फूलना एक आम समस्या है। इसका कारण प्रोजस्ट्रॉन हारमोन के स्तर में बदलाव आना है, जो गुर्दे के लिए पानी और नमक को रोककर रखने का संकेत हो सकता है। गर्भवती महिलाओं में पेट की गडबडी, खासतौर से खट्टी डकारें आने की समस्या अधिक होती है। अमेरिकन गैस्ट्रो एंट्रोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार 30 से 50 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं इस समस्या की शिकार होती है। इसका कारण हारमोनल और शारीरिक बदलाव होता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कैल्शियम सप्लीमेंट लेने से पेट के फूले होने और प्रीमेंस्ट्रुअल सिड्रोम के अन्य लक्षणों में सुधार हो सकता है। इसके साथ ही पानी भी अधिक मात्रा में पिएं। खट्टी डकारें खासतौर से गर्भावस्था में छुटकारा पाने के लिए रात को सिर के नीचे कई तकिए लगा कर सोएं। सिट्रस, पिपरमिंट, मिर्च-मसालेदार या फिर टमाटर से बनी चीजें खाने से परहेज करे, क्योंकि ये इस समस्या को बढावा देती हैं। तनाव वास्तव में हमारे पेट में एक अलग से नर्वस सिस्टम तंत्रिका तंत्र होता है, जो लाखों-करोडों नर्व कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। न्यूयार्क की कोलंबिया युनिवर्सिटी के माइकल गर्शन के अनुसार जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो दिमाग हमारे पेट को एसिड अधिक बनाने और आंतो के सिकुडने के काम में तेजी लाने संबंधी सिगनल भेजता है, जिससे खट्टी डकारें आती हैं, मरोड उठते हैंऔर अतिसार पेचिश हो जाता है। हमारा शरीर भी कुछ से हारमोन और रसायन पैदा करता है, जिससे हमारी पाचन क्रिया प्रणाली सुस्त या फिर ज्यादा सक्रिय हो जाती है। वास्तव में दिमाग और पेट के बीच इतना जबर्दस्त संबंध होता है कि जीवन मे तनावपूर्ण लम्हों जैसा तलाक या परिवार में किसी की मौत का असर प्राय: पेट की गडबडियों के रूप में देखने को मिलता है। शरीर का 95 प्रतिशत सेरोटोनिन ''एक एसा न्यूरोट्रांसमीटर'' ''जिसका संबंध उत्तेजना और अवसाद से है'' पेट में बनता है। यही वजह है कि एंटीडिप्रेसेंट दवाएं, जो सेरोटोनिन के स्तर को प्रभावित करती हैं, गंभीर पाचन संबंधी रोगों में मददगार हो सकती हैं।

इलाज क्या हो

रोज कम से कम 15 मिनट अपने को रिलेक्स करने के लिए निकालें। चाहें तो इस समय में अपनी किसी सहेली से बात क रें, अपनी मनपसंद पत्रिका पुस्तक पढें या फिर तेज चले। योग करें या ध्यान लगाएं। ?सी सेहतमंद डाइट लें, जिसमे रेशे पर्याप्त मात्रा में हों। किसी भी तरह का व्यायाम तनाव को कम करने में सहायक होता है।

अगर आपके भी वजन घटाने का समय नहीं हैं तो आप अपने खान-पान में ऐसी चीजें शामिल कर सकते हैं जो वजन घटाने में मददगार होती हैं। काली मिर्च एक मसाला हैं जो टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करता है। बच्चे और बड़े दोनों इसका सेवन कर सकते हैं। अगर इसका इस्तेमाल नियमित रूप से किया जाए तो कई गंभीर रोगों से बचा सकता है।

टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करती है काली मिर्च

खराब लाइफस्टाइल और बाहर का खाना लोगों को सौगात में मोटापा दे रहा है और तो और भागदौड़ भरी जिंदगी के चलते लोग वजन कम करने के लिए ज्यादा मेहनत भी नही करना चाहते। अगर आपके भी वजन घटाने का समय नहीं हैं तो आप अपने खान-पान में ऐसी चीजें शामिल कर सकते हैं जो वजन घटाने में मददगार होती हैं। काली मिर्च एक मसाला हैं जो टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करता है।

बच्चे और बड़े दोनों इसका सेवन कर सकते हैं। अगर इसका इस्तेमाल नियमित रूप से किया जाए तो कई गंभीर रोगों से बचा सकता है। आज हम आपको काली मिर्च से वजन घटाने का तरीका और इसके अन्य फायदे बताएंगे।

काली मिर्च में आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज, जिंक, क्रोमियम, विटामिन-ए, सी, और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें फाइट न्यूट्रियंस होते हैं जो वसा की बाहरी परत को तोड़कर शरीर में वसा जमा नहीं होने देते। इसका इस्तेमाल करने से वजन घटाने के अलावा कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से भी बचा जा सकता है। इसके साथ यह सर्दी-जुकाम में भी बहुत फायदेमंद है। मोटापे से छुटकारा पाना चाहते हैं तो काली मिर्च आपके लिए काफी फायदेमंद होगी। पकी हुए सब्जी की एक कटोरी में 1 चुटकी काली मिर्च पाउडर डाल कर सेवन करें। नियमित रूप से इसे खाने पर आपका वजन कम होगा। इसके अलावा आप सलाद ,दही व हर्बल टी में इसे मिलाकर भी खा सकते हैं। इसकी आपको सिर्फ 1 से 2 चुटकी मात्रा ही लेनी हैं।

अन्य फायदे

कैंसर से करे बचाव - कैंसर एक खतरनाक बीमारी है जिससे बाहर निकलना काफी मुश्किल है। काली मिर्च कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचाने में मदद करती है। इसके नियमित सेवन से स्तन कैंसर की गांठ नहीं बनती है। काली मिर्च में विटामिन-सी, ए, फ्लेवोनॉयड्स, कारोटेन्स और अन्य एंटी-ऑक्सीडेंट पाये जाते हैं। यह कैंसर को रोकने में काफी मदद करते हैं।

पेट संबंधी समस्याओं से राहत - खराब व अनियमित खान-पान के चलते लोगों को पेट संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं। अपच, दस्त, कब्ज और खट्टी डकार आदि से राहत पाने के लिए काली मिर्च के सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इससे पेट की पाचन क्रिया सही होती है।

त्वचा की खूबसूरती - काली मिर्च ना सिर्फ शरीर को रोगों से बचाती है बल्कि यह त्वचा को निखारने का भी काम करती है। काली मिर्च को दरदरा पीस कर चेहरे पर स्क्रब करने से त्वचा में चमक आती है। साथ ही कील-मुंहासे भी दूर हो जाएंगे। इससे डेड स्किन भी निकल जाती है।

...तो कमजोर हो रही हैं आपकी आंखें

लैपटॉप, मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल करने से ज्यादातर लोगों की आंखों में प्रॉब्लम होनी शुरू हो जाती है। कुछ संकेतों से पता चलता है कि आपकी आंखें कमजोर हो रही है। ऐसे में उन संकेतों को इग्नोर नहीं करना चाहिए। आइए, जानते है आंखों के कमजोर होने के लक्षण क्या हैं।

आंखों में खुजली होना

लंबे समय तक लैपटॉप पर काम करने से आपकी आंखों में तनाव शुरू हो जाता है। ऐसे में आंखों में खुजली शुरू हो जाती है और आंखें बार-बार रगड़ने का मन करता है।

सुबह उठते ही धुंधला दिखना

सुबह उठने पर कुछ घंटों तक धुंधला दिखाई दे सकता है। ऐसे में आप कितनी बार ही आंखें धो लें लेकिन फिर भी आपको पूरी तरह साफ नजर नहीं आ पाता। उठने के काफी देर बाद आपकी नजर सामान्य होने लगती है।

आंखों से पानी आना

आंखों से पानी आना भी आंखें कमजोर होने का संकेत है। यह समस्या तब और भी बढ़ जाती है, जब आप कुछ लिखते, पढ़ते या फिर देखते हैं। आंखों से पानी आने की समस्या को रोकने का सबसे अच्छा उपाय है कि आंखों में कोई आयुर्वेदिक दवा डालें या फिर आप डॉक्टर से आंखें चेक कराने के बाद उनकी बताई दवा लें।

आंखें लाल होना

आंखों के कोनों का लाल होना भी आंखें कमजोर होने का संकेत है। ऐसी स्थिति में आपकी आंखें लाल ही नहीं होती बल्कि आंखें ड्राई भी हो जाती हैं।

सिरदर्द या सिर के पीछे दर्द

आंखें कमजोर होने पर पूरे दिन सिर में हल्का दर्द हो सकता है। कभी-कभी सिर के पीछे भी दर्द शुरू हो जाता है। खासतौर पर जब आप आंखें झुकाकर नीचे देखते हैं, तो परेशानी बढ़ जाती है।

छुरिया विकासखंड में 152 झोलाछाप डॉक्टर सक्रिय, बीएमओ के पास नहीं है डिग्री का रिकॉर्ड

छुरिया (समय दर्शन)। छुरिया विकासखंड में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है और हैरानी की बात यह है कि स्वास्थ्य विभाग के पास इन तथाकथित डॉक्टरों की शैक्षणिक योग्यता और चिकित्सा डिग्रियों का कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में बीएमओ कार्यालय ने बताया कि क्षेत्र में 152 झोलाछाप डॉक्टर सक्रिय हैं, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। लेकिन जब इनकी डिग्री और योग्यता की जानकारी मांगी गई तो बीएमओ ने रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने का जवाब देकर

हाथ खड़े कर दिए।

152 झोलाछाप डॉक्टर, पर डिग्री का अता-पता नहीं

जानकारी के मुताबिक, इन 152 झोलाछाप डॉक्टरों के नाम, उनके क्लिनिक कहां-कहां संचालित हो रहे हैं, इसकी जानकारी बीएमओ कार्यालय के पास है। मगर जब बात आई कि इन डॉक्टरों की शैक्षणिक पृष्ठभूमि क्या है और उनके पास मेडिकल से संबंधित कोई डिग्री है या नहीं, तो बीएमओ कार्यालय ने साफ तौर पर अनभिज्ञता जता दी। यह जवाब न सिर्फ हास्यास्पद है, बल्कि स्वास्थ्य विभाग की गंभीर लापरवाही को भी उजागर करता है।

क्या बीएमओ की भूमिका संदिग्ध?

स्वाभाविक सवाल यह उठता है कि जिन डॉक्टरों की संख्या, ठिकाने और परिचालन की जानकारी स्वास्थ्य विभाग के पास है, उनके प्रमाणपत्र और योग्यता की जांच क्यों नहीं की गई? क्या बीएमओ जानबूझकर अनजान बन रहे हैं? या फिर कहीं न कहीं इन झोलाछाप डॉक्टरों को संरक्षण भी मिल रहा है? यह भी आशंका जताई जा रही है कि बीएमओ और इन डॉक्टरों के बीच कोई साठगांठ हो सकती है।

हाईकोर्ट के आदेश का हो रहा उल्लंघन

यह भी गौर करने वाली बात है कि हाईकोर्ट ने साफनिर्देश दिए हैं कि झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफसख्त कार्रवाई की जाए। बिना डिग्री के इलाज करना गैर इरादतन अपराध की श्रेणी में आता है, जिसमें एक साल की जेल और 5 लाख रूपये तक जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है। इसके बावजूद छुरिया क्षेत्र में यह चिकित्सा खेल खुलेआम चल रहा है और स्वास्थ्य विभाग मूकदर्शक बना बैठा है। बीएमओ की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने क्षेत्र में संचालित हर निजी क्लिनिक और तथाकथित डॉक्टर की योग्यता की जांच करें। यदि कोई डॉक्टर जानकारी नहीं देता है, तो बीएमओ को उनके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। मगर सवाल यह है कि क्या बीएमओ ऐसा करने के इच्छुक हैं?

सीएचएमओ से नहीं हो सका संपर्क

इस संबंध में सीएचएमओ राजनांदगांव से संपर्क की कोशिश की गई, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनका फोन नहीं उठाया गया, जिससे विभागीय स्तर पर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई।

राहुल टिकरिहा का भव्य स्वागत, फलों से तौले गए प्रदेश अध्यक्ष

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा आज अपने पदभार संभालने के बाद पहली बार गरियाबंद पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं ने तिरंगा चौक पर उनका भव्य स्वागत किया।पुष्पवर्षा,मालाओं और नारों के बीच कार्यकर्ताओं ने उन्हें तराजू में फलों से तोलकर सम्मानित किया।इसके बाद जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि— पार्टी ने जो सम्मान मुझे दिया है,वह मेरे लिए जिम्मेदारी भी है। हर कार्यकर्ता को संगठन की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लेना होगा।उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत पुन: विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है, और दुनिया भारत को नई दृष्टि से देख रही है।छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को उन्होंने जनहित में समर्पित और संवेदनशील नेता बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश में विकास और युवाओं का स्वर्णयुग शुरू हुआ है।राहुल टिकरिहा ने युवाओं से आह्वान किया कि वे पार्टी के मिशन 2029 को साधने में जुटें और प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को धरातल पर उतारें। पूरा कार्यक्रम उत्साह, जोश और राष्ट्रभक्ति के नारों से गूंज उठा। युवा ही भाजपा की असली ताकत हैं,संगठन की रीढ़ बनकर काम करें। प्रधानमंत्री मोदी का 'विकसित भारत' सपना तभी पूरा होगा, जब युवा आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाएंगे। हर वार्ड, हर गांव में भाजपा का झंडा युवाओं के हाथों लहराना चाहिए।

ग्राम करही महानदी में अवैध रेत उत्खनन जारी, शासन-प्रशासन मौन

रेत माफियाओं के हौसले बुलंद माइनिंग विभाग की चुप्पी पर उठे सवाल

सक्ती (समय दर्शन)। जिले के हसौद तहसील अंतर्गत ग्राम करही महानदी में अवैध रेत उत्खनन का सिलसिला लगातार जारी है। रेत माफिया दिन- रात जिस भी और हाइवा ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से बिना किसी अनुमति के रेत का दोहन कर रहे हैं, जिससे न सिर्फपर्यावरण को नुकसान हो रहा है, बल्कि राजस्व की भी भारी हानि हो रही है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि इस अवैध खनन की जानकारी माइनिंग विभाग, सहित स्थानीय प्रशासन को कई बार दी गई, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जिससे रेत माफियाओं के हौसले और बुलंद हो गए हैं। ग्रामीणों ने जताई नाराजगी गांव के कुछ जागरूक नागरिकों ने बताया कि भारी वाहनों की आवाजाही से सड़?कों की हालत भी बदतर हो चुकी है, और खेतों में मिट्टी कटाव की समस्या पैदा हो रही है। इसके अलावा नदी का प्राकृ?त्तिक स्वरूप भी खतरे में है। प्रशासन की चुप्पी पर सवाल जनता का यह भी कहना है कि प्रशासन की चुप्पी और माइनिंग विभाग की निष्क्रियता इस बात की ओर इशारा करती है कि कहीं न कहीं मिलीभगत की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। जनहित में मांग ग्रामीणों ने शासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस अवैध उत्खनन पर रोक लगाई जाए, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

रायपुर में बड़ी कार्रवाई: 60 एनडीपीएस मामलों में करीब 500 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट

विवरण	प्रकरणों की संख्या	कुल वजन (किलोग्राम)
गांजा	58	480.536 किलोग्राम
डोडा	02	18.700 किलोग्राम
कुल	60	499.236 किलोग्राम

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर पुलिस ने शुक्रवार को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (ह्रष्ट्रक्र) के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए एक बड़ी कार्रवाई में 499.236 किलोग्राम जब्त किए गए मादक पदार्थों को विधिवत नष्ट किया। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय द्वारा गठित जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी की देखरेख में रायपुर के सिलतरा स्थित एक निजी पावर प्लांट के भट्ठी/फर्नेस में की गई।

ड्रग्स डिस्पोजल कमेटी की निगरानी

नष्टीकरण की पूरी प्रक्रिया पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह (अध्यक्ष), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर, और उपायुक्त आबकारी श्री राजेश कुमार शर्मा (सदस्यों) की उपस्थिति में पूरी की गई। यह सुनिश्चित किया गया कि एनडीपीएस एक्ट के सभी कानूनी प्रावधानों का कड़ाई से पालन हो।

यह मादक पदार्थ विभिन्न थानों के 60 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों से संबंधित था।

पर्यावरण सुरक्षा का ध्यान

जिला पुलिस ने इस संवेदनशील कार्यवाही के लिए पर्यावरण विभाग से विधिवत अनुमति प्राप्त की थी। जन सामान्य की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, इतनी बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों को सिलतरा स्थित पावर प्लांट के उच्च तापमान वाले फर्नेस में जलाकर नष्ट किया गया, जो मादक पदार्थों के सुरक्षित और पूर्ण निपटान का एक सुनिश्चित तरीका है। रायपुर पुलिस की यह कार्रवाई राज्य में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और खपत के विरुद्ध जारी सख्त अभियान की गंभीरता को दर्शाती है।

छीसगढ़ सहायक/समग्र शिक्षक फेडरेशन के लॉक अध्यक्ष बने चेतन परिहार

पाटन (समय दर्शन)। विगत दिनों छत्तीसगढ़ सहायक/समग्र शिक्षक फेडरेशन के ब्लॉक स्तरीय निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक वातावरण में सम्पन्न हुआ।ब्लॉक अध्यक्ष पद के लिए चेतन सिंह परिहार को एक मात्र नामांकन प्राप्त होने पर निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया। रेस्ट हॉउस पाटन में आयोजित बैठक में छत्तीसगढ़ सहायक/समग्र शिक्षक फेडरेशन निर्वाचन समिति के दुर्ग जिला पर्यवेक्षक रामकृष्ण साहू ने उपस्थित होकर निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया।

तत्पश्चात बैठक में सर्वसम्मति से ब्लॉक कार्यकारिणी के पुर्नगठन में निम्न पदाधिकारियों का चयन किया गया —

पदाधिकारियों की सूची: अध्यक्ष - चेतन सिंह परिहार, उपाध्यक्ष - खेलावन सिंह कुर्रे, टेकेश्वर प्रसाद यदु, सचिव - राजकुमार बघेल, सह-सचिव - यादराम साहू, सलाहकार- कमलेश कुमार साहू, कृष्ण कुमार शर्मा,दानेश्वर प्रसाद वर्मा,टेकराम चंद्राकर, संगठन मंत्री डूचंद्रशेखर साहू, मीडिया प्रभारी डूअंकेश्वर प्रसाद महिपाल, कार्यकारिणी सदस्य- टोकेंद्र कुमार बिजौरा,महाबीर निषाद, ऋषि कुमार साहू, टेकराम साहू,किशोर कुमार कुर्रे,शेषनारायण निषाद,दुलेश्वर कुमार टंडन, पुरुषोत्तम ध्रुव, महिला प्रकोष्ठ पदाधिकारी- अध्यक्ष-श्रीमती रचना वर्मा उपाध्यक्ष- श्रीमती हर्षलता साहू, सचिव-श्रीमती मनीषा गौतम, सहसचिव-श्रीमती शशिकला कुर्रे, सदस्य-श्रीमती हेमलता आडिल, श्रीमती रजनी वर्मा,श्रीमती मनीषा देशमुख, श्रीमती गीता चतुर्वेदानी।

बैठक में संगठन को सशक्त बनाने, शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण एवं शैक्षणिक वातावरण के सुधार हेतु ठोस कार्ययोजना पर चर्चा की गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन शिक्षकों के हितों की रक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे का आयोजन

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान अंतर्गत वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरपोटी दुर्ग में विगत 09 अक्टूबर को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सखी वन स्टॉप सेंटर से साइको सोशल काउंसलर श्रीमती कविता डोरले द्वारा बच्चों को मेंटल हेल्थ की समस्या होने के कारण, निराकरण एवं बचाव के तरीके के बारे में विस्तार से बताते हुए इसका समाधान भारतीय जीवनशैली, रहन-सहन, खान-पान, व्यायाम, योग एवं ध्यान के माध्यम से मेंटल हेल्थ को सुदृढ़ करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

वित्त मंत्री चौधरी ने अहिवारा में नवीन उप पंजीयक कार्यालय का किया शुभारंभ

क्षेत्र के 56 गांव के लोग होंगे लाभान्वित

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रदेश के वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना, आर्थिक सांख्यिकी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मुख्य आतिथ्य में आज दुर्ग जिले के अहिवारा में नवीन उप पंजीयक कार्यालय का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कार्यालय नगर पालिका परिषद अहिवारा के रैन बसेरा परिसर में फीता काट कर नवीन उप पंजीयक कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, सांसद श्री विजय बघेल, अहिवारा के विधायक श्री डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे, तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साहू भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के जनता की बहुप्रतीक्षित मांग आज पूरी हुई है। नवीन उप पंजीयक कार्यालय में अहिवारा क्षेत्र के नगर पालिका परिषद के समस्त वार्ड तथा राजस्व निरीक्षक मंडल अहिवारा एवं मुरमुंदा के अंतर्गत आने वाले कुल 56 ग्रामों की रजिस्ट्रियां पूर्व में उप पंजीयक कार्यालय धमधा एवं भिलाई में होती थी। अब नवीन उप पंजीयक कार्यालय अहिवारा में 10 अक्टूबर 2025 से इन सभी क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली अचल संपत्तियों से संबंधित समस्त दस्तावेजों का पंजीयन होगा। जिससे पक्षकारों को पंजीयन कार्य में सीधे लाभ मिलेगा, उनका समय एवं संसाधनों की बचत होगी। मुख्य अतिथि वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार प्रदेश में विकास के कार्य को आगे बढ़ाने के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी जी की गारंटी को क्रमश: पूरा कर रही है। चाहे वह किसानों का 3100 रूपए प्रति क्विंटल धान खरीदी हो अथवा 18 लाख प्रधानमंत्री आवास का निर्माण हो। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी के तहत प्रदेश सरकार 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये महतारी वंदन की राशि जारी कर रही हैं। वित्त मंत्री ने बताया कि रायपुर से राजनांदगांव को जोड़ कर इंटीग्रेटेड प्लान के साथ विकास किया जाएगा। मेट्रो रेलवे लाईन का सर्वे हो चुका है। उन्होंने बताया कि जमीन की रजिस्ट्री कार्य में आमूलचूल परिवर्तन कर नई पद्धति लागू की गई है।

कार्यालय नगर पालिक निगम जोन क्र. 08, रायपुर (छ.ग.)

--: मैनुवल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना :--

क्रमांक 32 / लोकवि /नपानि / जोन क्र. 8 / 2025 रायपुर दिनांक 09/10/2025

नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 8 अंतर्गत निम्नांकित प्रस्तावित कार्यों के लिए सक्षम श्रेणी में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों / पंजीकृत किराया भण्डार / फर्मों से आयटम दर/ पी.डब्ल्यू. डी. रोड एस.ओ. आर 2025 / भवन एस.ओ. आर. 2015 / पी.एच.ई. एस. ओ. आर. 2020 अद्यतन संशोधित दर पर त्री लिफाफा पद्धति से स्पीड पोस्ट / रजिस्टर्ड डाक से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवश्यक निर्धारित दस्तावेज सहित आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 15/10/2025 दिन बुधवार सायं 5.00 बजे तक अपूर्ण दस्तावेज का आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा।
2. दस्तावेज निरिक्षण उपरांत निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि 22/10/2025 दिन बुधवार।
3. जोन आयुक्त कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक- 8 मोहबा बाजार रायपुर (छ.ग.) में त्री लिफाफा पद्धति से स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30/10/2025 दिन गुरुवार साय: 5:30 तक ।
4. प्राप्त समस्त पात्र निविदाएं दिनांक 03/11/2025 दिन सोमवार को प्रात: 12:00 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी अपरिहार्य कारणों निर्धारित तिथि पर निविदा नहीं खुलने पर आगामी तिथि निर्धारित की जावेगी कार्य का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	कार्य का नाम	आगणित राशि (लाख में)	आमनती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	निविदा कार की श्रेणी	समया वधि	एस.ओ . आर	फार्म का प्रकार
1.	वीर सावरकर नगर वार्ड क्र. 01 अंतर्गत ज्ञान भारती स्कूल के पीछे सड़क निर्माण कार्य (सामान्य मद)	4.23	4500.00	750.00	Class- D & above	04 माह	P.W.D. ROAD S.O.R. 2025	A
2.	पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्र. 02 अंतर्गत कबीर 2 नगर अंबेडकर चौक से डॉ. दिवाकर घर तक रोड निर्माण कार्य (सामान्य मद)	4.23	4500.00	750.00	Class- D & above	04 माह	P.W.D. ROAD S.O.R. 2025	A

निविदा की शर्तें :-

1. निविदा के दस्तावेज बंद लिफाफा में रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड पोस्ट से प्राप्त किया जायेगा। 2. ई. पंजीयन प्रमाणपत्र (जीवित). 3. बैंक साल्वेंशी, 4. बैंक पासबुक की छायाप्रति 5 जीएसटी प्रमाण पत्र एवं **GST Retrun** (3बी) (विगत 3 माह) 6. आयकर रिटर्न (विगत 3 वर्ष) तथा 100 रू का स्टाम्प पेपर निविदा जारी होने की तिथि के पश्चात् का शपथ पत्र होना अनिवार्य है। 7. निविदा जारी होने के पश्चात् से प्रत्येक कार्य के लिए पृथक-पृथक एफडी.आर. मूल एवं छायाप्रति प्रस्तुत होना आवश्यक है तथा जो एफडी.आर. जीवित होना आवश्यक है। 8. त्री लिफाफा पद्धति में निविदा प्राप्त नहीं होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा।
2. निविदा में समस्त दर **GST** सहित प्रस्तुत करें। पृथक से **GST** देय नहीं होगा।
3. टीप- अन्य निविदा की शर्तें एवं जानकारियां कार्यालयीन समय व दिवस में कार्यालय जोन क्र. 8 में अवलोकन किया जा सकता है।
4. निविदा में किसी भी विवाद की स्थिति में सक्षम अधिकारी का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-08
नगर पालिक निगम रायपुर

संक्षिप्त-खबर

अचानकपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन, रक्तदाताओं की मिलेगा नि:शुल्क हेलमेट

पाटन (समय दर्शन)। पाटन के लाल रक्तदाता सेवा परिवार अचानकपुर द्वारा अपने प्रथम स्थापना दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 12 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक सांस्कृतिक कला मंच अचानकपुर में आयोजित होगा।

इस कार्यक्रम का आयोजन रेड ड्रॉप फ्रेंड्स क्लब छत्तीसगढ़ के संयोजन में किया गया है। आयोजन समिति ने बताया कि शिविर में भाग लेने वाले सभी रक्तदाताओं को हेलमेट प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा ताकि सड़क सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता भी बढ़े। समिति का उद्देश्य है कि रक्तदान महादान के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाया जाए और समाज में स्वैच्छिक रक्तदान की भावना को प्रोत्साहित किया जाए।

महिला समूह ने दिया सफाई का संदेश, ग्राम अचानकपुर में श्रम दान कर चौक चौराहों की सफाई किया

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत अचानकपुर में सरपंच देवानंद साहू के मार्गदर्शन में जितने भी महिला समूह है उनके सदस्यों द्वारा माह में एक दिन श्रम दान कर गांव की साफसफाई किया जाता है। इसी कड़ी में गांव में संचालित महिला समूह के सदस्यों द्वारा सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान महिलाओं ने गांव के सार्वजनिक चौक चौराहा की सफाई किया। अंत में सरपंच देवानंद साहू के नेतृत्व में स्वच्छता का संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर सभी महिला समूह के सदस्य मौजूद रहे।

दक्षिण पाटन के युवा सरपंच रमाकांत साहू के द्वारा बच्चों को निशुल्क कोचिंग देने की सोच और कार्य को छत्तीसगढ़ सरकार ने पूरे छत्तीसगढ़ में लागू के लिए की तैयारी

पाटन (समय दर्शन)। दक्षिण पाटन के आगेसरा में सरपंच रमाकांत साहू ने समर्पण निशुल्क कोचिंग सेंटर आगेसरा में बच्चों के शिक्षा को बेहतर बनाने की पहल आज रंग ला रही है। समर्पण निशुल्क कोचिंग सेंटर की तर्ज पर छत्तीसगढ़ सरकार अब पूरे छत्तीसगढ़ में निशुल्क कोचिंग सेंटर प्रारंभ करने की तैयारी में है। गौरतलब है कि दुर्ग जिला के पाटन ब्लॉक के ग्राम पंचायत आगेसरा के युवा सरपंच रमाकांत साहू द्वारा प्रारंभ की गई समर्पण निशुल्क कोचिंग सेंटर के तर्ज पर अब छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर कक्षा नवमी से 12वीं तथा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी ऑनलाइन करने की तैयारी में लगी हुई है निश्चित रूप से यह हमारे पाटन क्षेत्र छत्तीसगढ़ मॉडल के रूप में दिखाई देने वाला है जिसको अमली जामा पहनाने का कार्य स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है यह कार्य करने का प्रथम प्रयास ग्राम पंचायत आगेसरा के युवा सरपंच द्वारा गांव के युवाओं के लिए प्रारंभ किया गया है जिसे आज छत्तीसगढ़ सरकार ने पूरे छत्तीसगढ़ में लागू करने के लिए नीति निर्देशन तैयार किया गया है। समर्पण निशुल्क कोचिंग क्लास पूरे छत्तीसगढ में ग्राम पंचायत द्वारा किए जाने वाला प्रथम पंचायत माना जाता है स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किए गए इस प्रयास से युवा सरपंच रमाकांत साहू एवं समस्त ग्राम वासी बहुत में खुशी का विषय माना है।

सांसद खेल महोत्सव: जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक की टीम कब्बडी में एक अंक से जीत हासिल किया, कुर्सी दौड़ में दूसरे स्थान पर रही

पाटन (समय दर्शन)। सांसद खेल महोत्सव के तत्वाधान में गुरुवार को ग्राम पंचायत बटंग के हाई स्कूल में प्राइमरी एवं मिडिल स्कूल के बच्चे एवं गांव के महिलाओ ने खेलकूद में भाग लिया। जनपद अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक भी इस अवसर पर प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए। कब्बडी स्पर्धा के रोमांचक मुकाबले में जनपद अध्यक्ष कि टीम ने एक अंक से जीत हासिल किया । वही कुर्सी दौड़ में जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक दूसरे नंबर पर रही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण स्कूली बच्चे और शिक्षक मौजूद रहे।

शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालन हेतु आवेदन 24 अक्टूबर तक

मुंगेली(समय दर्शन)। लोरमी विकासखण्ड के ग्राम पीपरखुंटा और कोतरी संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालन हेतु ग्राम पंचायत, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां एवं अन्य सहकारी समितियों से 24 अक्टूबर तक आवेदन मंगाए गए हैं। लोरमी अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने बताया कि इच्छुक समितियां आवेदन पत्र सहित आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) लोरमी में कार्यालयीन समय पर जमा कर सकते हैं।

खबर-खास

न रस्म, न रिवाज, न बारात, न दहेज : दो जोड़ों का रमैणी विवाह, 17 मिनट में परिणय सूत्र में बंधे

भिलाई (समय दर्शन)। आध्यात्म का आगाज समाज सुधार का संकल्प के उद्देश्य के साथ गौरी भवन कोसा नगर भिलाई में बिना दहेज, बिना रस्म, बिना मेहंदी एवं लोक दिखावा के शांति पूर्ण ढंग से मात्र 17 मिनट में गुरु वाणी से दो जोड़े का रमैनी विवाह (शादी) संपन्न हुआ।जिसमें दोनों जोड़ों के परिजन शामिल हुए एवं सैकड़ो जगतगुरू तत्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज के शिष्य इस अनोखे विवाह के गवाह बने। शिष्यों ने बताया कि संत जी समाज में फैले कई कुरीतियां, पाखंड, नशा खोरी, भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने का बीड़ा उठाया है और एक स्वस्थ समाज बनाने का संकल्प लिया है, जिसमें सबसे बड़ी दहेज रूपी दानव को पूरी तरह से समाप्त करना है। ताकि बेटियां अपने ससुराल में बहु नहीं बेटी बनकर सुख पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन निर्वहन कर सके और बेटी के माता – पिता भी निश्चिंत रहे साथ ही समाज में बेटी की गर्भ में हत्या होने से भी बचाया जा सके। संत जी के शिष्यों ने आगे बताया कि इस प्रकार आडंबर मुक्त, दहेज मुक्त विवाह का लाभ आज वर्तमान में लाखों बेटियों ले चुकी है, और विवाह पश्चात अपना दाम्पत्य जीवन बहुत ही सुख पूर्वक व्यतीत कर रहे है।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल पाटन के छात्र गुलशन निर्मलकर का राज्य स्तरीय अंडर 17 क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु चयनित

पाटन (समय दर्शन)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पाटन के कक्षा दसवीं के छात्र गुलशन कुमार निर्मलकर का चयन कोरबा में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय अंडर 17 शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए हुआ है। गुलशन की इस उपलब्धि पर शाला विकास समिति के अध्यक्ष मिलन कुमार देवांगन प्राचार्य वेलेंटीना मसीह, प्रधानपाठक अंजू राय, व्याख्याता दीपा मनोज, समिति के सदस्य रोहित देवांगन सहित शिक्षकों एवं पालकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दिए हैं। आगे जानकारी देते हुए व्यायाम शिक्षक हेमंत बघेल ने बताया कि पुरई में आयोजित जिला व संभाग स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर गुलशन का चयन राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। प्रतियोगिता 12 से 15 अक्टूबर तक कोरबा में आयोजित है जिसके लिए टीम में सम्मिलित होकर गुलशन रवाना हो गया है।

गरियाबंद कलेक्टोरेट में हेलमेट,सीटबेल्ट की जांच

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद में आज कलेक्टर बी एस उइके और पुलिस अधीक्षक निखिल राखेजा के निर्देश में कलेक्टोरेट परिसर के मुख्य गेट पर मोटरसाइकिल चालकों को हेलमेट और कार चालकों को सीटबेल्ट की जांच किया गया।ट्रैफ्फिक पुलिस प्रभारी और जवान आने-जाने वाले अधिकारियों कर्मचारियों को एक-एक कर रोककर हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता को लेकर समझाइश देते नज़र आए।

पुलिसकर्मियों ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश पर यह अभियान शुरू किया गया है,जिसमें सभी सरकारी व अर्ध-सरकारी कार्यालयों में प्रवेश के लिए अब दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट और चारपहिया चालकों को सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य कर दिया गया है ।आज समझाइश का दिन था,लेकिन कल से बिना हेलमेट आने पर सीधे ?1000 का चालान

किया जाएगा। पुलिस के अनुसार,अब बाइक पर पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा ।वहीं,कार से आने वाले सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को सीट बेल्ट लगाकर आना होगा — केवल चालक ही नहीं,सभी सहयात्रियों के लिए भी यह नियम लागू रहेगा।

कार्यालय परिसर में 'नो हेलमेट, नो एंट्री' का फरमान

प्रदेश में बढ़ते सड़क हादसों और सरकारी कर्मचारियों की दुर्घटनाओं में मृत्यु को देखते हुए सरकार ने यह सख्त निर्णय लिया है।आदेश के मुताबिक,अब कोई भी सरकारी सेवक बिना सुरक्षा उपकरणों के कार्यालय में प्रवेश नहीं कर सकेगा।दोपहिया वाहन चालक हेलमेट लगाए बिना,और चारपहिया वाहन चालक व यात्री सीट बेल्ट लगाए बिना कार्यालय गेट से भीतर नहीं जा पाएंगे।सुरक्षा गार्ड द्वारा गेट पर ही जांच की जाएगी,और नियमों के उल्लंघन पर उन्हें वापस कर दिया जाएगा। सरकारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि शासन के अधिकारी-कर्मचारी स्वयं,अपने परिजनों और आम जनता की सुरक्षा के लिए ट्रैफ्फिक नियमों के पालन में आदर्श प्रस्तुत करें।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं ने जानी बांस कला की बारीकी,पाटन आर्ट गैलरी के संचालक ने दी ट्रेनिंग

पाटन (समय दर्शन)। सेंट्रल यूनिवर्सिटी गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में के ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग और स्किल डेवलपमेंट सेल के द्वारा विभाग के छात्रों के लिए तीन दिवसीय बांसकला पर आधारित कार्यशाला का सफ़ल आयोजन किया कार्यशाला का शुभारंभ मंगलवार को प्रो. अमित कुमार सक्सेना और प्रो. राजेंद्र मेहता ने किया।

पाटन आर्ट गैलरी और बांस कला विशेषज्ञ राम पटेल और उसके सहायक मुकेश वर्मा के ने बांस कला को बारीकी बताई। तीन दिन चले इस कार्यशाला में छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और एक से एक अद्भुत कलाकृतियों का निर्माण किया ।जिसमें बाबा गुरु घासीदास का मीनार, बायसन हॉर्न,पानी बॉटल,पेन स्टैंड, मोमेंटो, बैच इत्यादि शामिल रहे।

कार्यशाला का समापन गुरुवार को हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सीयू के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल रहे उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला से आपने जो सीखा है उसे प्रयोग कर आप अपनी आजीविका की अच्छी शुरुआत कर सकते हैं।

स्किल डेवलपमेंट अधिकारी प्रोफेसर शरद चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि हम ऐसे कार्यशालाओं को पूरा समर्थन देते हैं जो भी छात्र अथवा छात्र स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं वह जरूर आगे बढ़े उन्हें हमारा पूरा साथ है।

प्रोफेसर राजेंद्र मेहता ने कहा कि बांस आज बहुत हीं खास है और यह कई लोगों के जीवन की नई आस के रूप में उभर रहा है, आज ऐसा क्या है जो हम बांस का प्रयोग कर नहीं बना सकते हैं और वैसे भी कहा जाता है की जन्म से लेकर मृत्यु तक हर व्यक्ति को बांस की जरूरत पड़ती है।

कार्यक्रम का सफ़ल संचालन डॉक्टर सत्येंद्र कुमार निराला ने किया,जबकि कार्यशाला की समन्वयक डॉक्टर अलका मिश्रा और सह समन्वयक पीएचडी स्कॉलर शुभम पाठक रहे कार्यशाला में छात्र छात्राओं को बेहतर रूप से सिखाने का कार्य बैम्बूआर्टिस्ट राम कुमार पटेल व सहप्रशिक्षक मुकेश वर्मा ने किया।

जय जोहार' से केबीसी मंच पर गूँजी छत्तीसगढ़ की माटी की महक

वरिष्ठ पत्रकार रोमशंकर यादव सम्मानित, पर्यावरण का मुद्दा उठाया

दुर्ग (समय दर्शन)। देश के सबसे लोकप्रिय क्विज़ शो 'कौन बनेगा करोड़पति' ने एक बार फिर क्षेत्रीय आवाज़ों को राष्ट्रीय मंच प्रदान किया। इस बार, यह सम्मान छत्तीसगढ़ के भिलाई (दुर्ग) के वरिष्ठ पत्रकार रोमशंकर यादव को उनके उत्कृष्ट और समर्पित पत्रकारिता कार्य के लिए मिला।

महानायक अमिताभ बच्चन ने जब रोमशंकर यादव का स्वागत किया, तो उन्होंने अपनी बात की शुरुआत छत्तीसगढ़ के पारंपरिक और हार्दिक अभिवादन जय जोहार से की। इस एक वाक्य ने न सिर्फ दर्शकों, बल्कि स्वयं बच्चन साहब के दिल को भी छू लिया और चक्षष्ट के मंच पर छत्तीसगढ़ की संस्कृति और संवेदना की गहरी छाप छोड़ी।

भिलाई स्टील प्लांट और पर्यावरण का मुद्दा

नवभारत दुर्ग के वरिष्ठ पत्रकार रोमशंकर यादव ने इस प्रतिष्ठित मंच का उपयोग केवल सम्मान के लिए नहीं, बल्कि जनहित के एक गंभीर विषय को उजागर करने के लिए किया। उन्होंने प्रमुखता से भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के मुद्दे को उठाया, जो पर्यावरण प्रेमियों के बीच चिंता का विषय रहा है।

उन्होंने इस दौरान अपने प्रेरणास्रोत, गाँव कोड़िया के पर्यावरण प्रेमी गैंदलाल देशमुख का उदाहरण दिया। रोमशंकर यादव ने बताया कि कैसे सादगी के साथ भी गैंदलाल देशमुख जैसे व्यक्ति अपनी पूरी लगन से पेड़ों और पर्यावरण की रक्षा के लिए समर्पित हैं। यह उदाहरण राष्ट्रीय स्तर पर यह संदेश देता है कि जमीनी स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए कितना महत्वपूर्ण काम हो रहा है।

छीसगढ़ की पत्रकारिता को मिला गौरव

रोमशंकर यादव का यह सम्मान छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता और सामाजिक प्रतिबद्धता के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है। मंच पर उनकी उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि क्षेत्रीय पत्रकारिता की आवाज़ भी राष्ट्रीय विमर्श में उतनी ही महत्वपूर्ण और प्रभावी है।

दुर्ग-भिलाई समेत पूरे छत्तीसगढ़ में रोमशंकर यादव के इस असाधारण उपलब्धि पर हर्ष और गर्व का माहौल है। उन्होंने अपनी संस्कृति और मूल्यों को बनाए रखते हुए राष्ट्रीय मंच पर राज्य का प्रतिनिधित्व किया है।

गौधाम संचालन हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ाई गई

बालोद (समय दर्शन)। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी गोधाम योजना के अंतर्गत गौधाम के संचालन हेतु इच्छुक स्वयंसेवी संस्था (एनजीओ), ट्रस्ट, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, सहकारी समितियों से पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड में गौधाम संचालन हेतु आवेदन करने की तिथि 30 सितंबर से बढ़ाकर 15 अक्टूबर तक कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि गोधाम योजना के अंतर्गत उपयुक्त स्थानों पर निराश्रित, घुमंतु तथा कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 (यथा संशोधित), कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2014 अंतर्गत जब्त किए गए गौवंश के पशुओं के संरक्षण, संवर्धन किया जाएगा। उप सचांलक पशु चिकित्सा सेवायें ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत ऐसी शासकीय भूमि जिसमें सुरक्षित बाड़ा, पशु शेड, पर्याप्त पानी की सुविधा, बिजली तथा हरा चारा उत्पादन हेतु चारागाह की भूमि की सुविधा होगी। उन स्थानों पर जिला प्रशासन के प्रस्ताव के आधार पर राज्य गौसेवा आयोग की स्वीकृति उपरांत चयनित संस्थाओं को गोधाम की स्थापना हेतु स्वीकृति प्रदान की जाएगी।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा, निर्माणाधीन पीएम आवासों को शीघ्र पूरा कराने के दिए निर्देश

सीईओ जिला पंचायत सुनील चंद्रवंशी ने जनपद पंचायत सभाकक्ष गुण्डरदेही में ली बैठक

बालोद (समय दर्शन)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुनील चंद्रवंशी ने गुरूवार 09 अक्टूबर 2025 को जनपद पंचायत सभाकक्ष गुण्डरदेही में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारी-कर्मचारियों को सभी निर्माणाधीन आवासों के निर्माण को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। बैठक में श्री चंद्रवंशी ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत गुण्डरदेही विकासखण्ड के लिए स्वीकृत आवासों की संख्या के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों के निर्माण कार्य को निर्धारित समयावधि में पूरा कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने अप्रारंभ आवास निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराने तथा मैदानी अमले के अधिकारी-कर्मचारियों को अपूर्ण आवासों का निर्माण शीघ्र पूरा कराने हेतु प्रतिदिन निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। श्री चंद्रवंशी ने समीक्षा के दौरान गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम पंचायत अर्जुनीटिकरी, डुण्डेरा, ईरागुड़ा, माहुद बी, सिकोसा, सिर्री, तिलोदा ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास निर्माण के कार्य में अपेक्षित प्रगति नही होने पर इन ग्राम पंचायतों के सचिवों के प्रति गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने इन सभी ग्राम पंचायत सचिवों को प्रधानमंत्री आवास निर्माण के कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत अर्जुनी, बिरेतरा, डोंगीतरई, हल्दी, जोरातराई, खर्रा में आवास निर्माण कार्य के प्रगति की सराहना भी की। बैठक में जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी निखत सुल्ताना, जिला समन्वयक प्रभात साहू सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

पटाखा दुकानों में आग से बचाव के उपाय सुनिश्चित

बालोद। जिले में संचालित सभी स्थायी, अस्थायी पटाखा दुकानों में आग से बचाव के उपाय सुनिश्चित नही करने पर छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा, अधिनियम 2018 व छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपातकालीन नियमावली 2021 के तहत् कार्रवाई की जाएगी। जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नगर सेना ने बताया कि अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएँ तथा एसडीआरएफ मुख्यालय छत्तीसगढ़ द्वारा पटाखा दुकानों में आग से बचाव के संबंध में एडवाइजरी जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत पटाखा दुकान किसी भी ज्वलनशील पदार्थ जैसे-कपड़ा, बांस, रस्सी, टेंट इत्यादि का न होकर अज्वलनशील सामग्री से बने टिन शेड द्वारा निर्मित होना चाहिए। पटाखा दुकान एक दूसरे से कम से कम 03 मीटर की दूरी पर एवं एक दूसरे के सामने न बनाई जानी चाहिए। पटाखा दुकानों में प्रकाश व्यवस्था हेतु किसी भी प्रकार के तेल लैंप, गैस लैंप एवं खुली बिजली बत्ती का प्रयोग प्रतिबंधित किया जाना अनिवार्य है। किसी भी पटाखा दुकान से 50 मीटर के अंदर आतिशबाजी प्रदर्शन प्रतिबंधित होनी चाहिए। विद्युत तारों में ज्वाइन्ट खुला नहीं होना चाहिए एवं प्रत्येक मास्टर स्विच में फ्यूज या सर्किट ब्रेकर लगा होना चाहिए, जिससे शार्ट सर्किट की स्थिति में विद्युत प्रवाह स्वत: बंद हो जाए। पटाखा दुकानें ट्रांसफार्मर के पास न हो और उसके ऊपर से हाई टेंशन पावर लाईन न गुजरती हो। प्रत्येक पटाखा दुकान में 05 किलोग्राम क्षमता का डीसीपी अग्निशामक यंत्र होना चाहिए जिसकी मारक क्षमता 06 फीट की होती है। पटाखा दुकानों के सामने कुछ अंतराल में 500 लीटर क्षमता के ड्रम की व्यवस्था बाल्टियों के साथ होनी चाहिए।

एग्रीस्टेक पंजीयन एवं धान खरीदी की तैयारियों के संबंध में समिति प्रबंधकों की बैठक आयोजित

कलेक्टर ने प्रत्येक किसान का एग्रीस्टेक पंजीयन सुनिश्चित करने तथा धान खरीदी में पूर्ण पारदर्शिता रखने दिए निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में आगामी धान उपार्जन सीजन 2025-26 की तैयारियों एवं एग्रीस्टेक पंजीयन की प्रगति के संबंध में समिति प्रबंधकों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि धान खरीदी से पूर्व सभी उपार्जन केंद्रों में चेकलिस्ट के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। कलेक्टर ने प्रत्येक उपार्जन केंद्र पर बायोमेट्रिक डिवाइस, इलेक्ट्रॉनिक तराजू, नमी मापक यंत्र तथा सुरक्षा व्यवस्था की पूर्ण तैयारी करने के साथ ही उपार्जन केंद्रों का चयन समतल भूमि पर करने और पानी निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीदी प्रक्रिया में जीरो शॉर्टेज सुनिश्चित करें और बाहरी धान की खरीदी न हो, इसके लिए विशेष सावधानी बरती जाए। उन्होंने खरीदे गए धान की सुरक्षा, भंडारण और रिकॉर्ड अद्यतन करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस दौरान अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अपर कलेक्टर जी.एल. यादव, सहायक आयुक्त सहकारिता हितेश श्रीवास, खाद्य अधिकारी हुलेश डड़सेना, जिला विपणन अधिकारी मनोज यादव, सीसीबी नोडल अधिकारी संतोष सिंह सहित सभी समितियों के प्रबंधक मौजूद रहे।

जिले में इस वर्ष 66 समितियों के माध्यम से 105 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की जाएगी। कलेक्टर ने धान खरीदी में पारदर्शिता रखने और जीरो शॉर्टेज पर जोर देते हुए समिति प्रभारियों को अपनी वित्तीय स्थिति को दुरुस्त रखने एवं लेखा-जोखा अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीदी प्रक्रिया में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बेहतर प्रदर्शन करने वाली समितियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने एकीकृत किसान पोर्टल में कैरी फॉरवर्ड कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में एग्रीस्टेक पंजीयन की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा हुई। कलेक्टर ने कहा कि एग्रीस्टेक किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहचान पत्र है, जिससे अब किसानों को राजस्व रिकॉर्ड के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने बताया कि एग्रीस्टेक पंजीयन के माध्यम से किसानों को एक विशिष्ट पहचान पत्र प्रदान किया जाएगा, जिससे खेती किसानी से जुड़े विभिन्न योजनाओं का एकीकृत लाभ सुनिश्चित होगा। कलेक्टर ने समिति प्रबंधकों से कहा कि एग्रीस्टेट पोर्टल एवं एकीकृत किसान पोर्टल में किसान पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए 31 अक्टूबर तक की तिथि निर्धारित की गई है। उन्होंने किसानों को एग्रीस्टेक पंजीयन के लिए प्रोत्साहित करने कहा, ताकि कोई भी पात्र किसान पंजीयन से वंचित न रहे। अपर कलेक्टर जी.एल. यादव ने बताया कि फार्मर आईडी के माध्यम से भूमि की दोहरी प्रविष्टि या मिसयूज नहीं होगा, जिससे शासन की योजनाओं में पारदर्शिता बनी रहेगी।

॥ न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग) ॥

// ईश्तहार //

राजस्व प्रकरण क्रमांक अ/6
क्रमांक 202509100700181
वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है आवेदक दानगृहिता मो. उपसंलम आ. अय्युब साकिन, मोवा रायपुर द्वारा ग्राम कसारीडीह पहन 40 रा.नि.मं. कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खन -687/346, रकबा 3000 व.फी. को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से दानकर्ता महमुदा बेगम पति मो. अय्युब से क्रय किया गया है की नामान्तरण किये के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है । जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है ।

अतः उपरोक्त भूमि को रजिस्टर्ड दानपत्र बैनामा के आधार पर नामान्तरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथिः 13/10/ 2025 तक या उसके पूर्व स्वय या अपने मान्य अधिक्तागाण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 30/9/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

॥ न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग) ॥

// ईश्तहार //

राजस्व प्रकरण क्रमांक अ/6
क्रमांक 202509100700182
वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है आवेदक में मोहम्मद असलम साकिन, मोवा रायपुर द्वारा ग्राम कसारीडीह पहन 40 रा.नि.मं. कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खन -687/ 347, रकबा 2400 व.फी. को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से दानकर्ता महमुदा बेगम पति मो. अय्युब से क्रय किया गया है की नामान्तरण किये के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है । जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है ।

अतः उपरोक्त भूमि को रजिस्टर्ड दानपत्र बैनामा के आधार पर नामान्तरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथिः 13/10/ 2025 तक या उसके पूर्व स्वय या अपने मान्य अधिक्तागाण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 30/9/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

॥ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कवर्धा, जिला-कबीरधाम॥

// ईश्तहार //

अ /2, वर्ष 2024-25
ईकोर्ट नम्बर...
क्रमांक 2693 / अ.वि.अ./ प्रवा - 2 /2025
कवर्धा, दिनांक 03/10/2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं नगरवासीगण कवर्धा को सूचित किया जाता है, कि आवेदक दिलीप कुमार अग्रवाल पिता छगनलाल निवास का पताः- कवर्धा, तहसील कवर्धा, जिला-कबीरधाम, छत्तीसगढ़ ने अपने निजी स्वामित्व की ग्राम कवर्धा प.ह.नं.- 13 रा.नि.म. कवर्धा, तहसील-कवर्धा स्थित भूमि खसरा नम्बर 554 / 9 रकबा 0.008 हे. हेक्टेयर भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जानें हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है।

उक्त आवेदित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने से जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो तो सुनवाई तिथि 13/10/2025 को समय 05:30 बजे तक स्वतः या अपनें अभिभाषक के माध्यम से कर सकते हैं। पश्चात के दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 03/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी।

पेशी दिनांक : 13/10/2025
जारी दिनांकः 03/10 /2025

अनुविभागीय (राजस्व)
कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

मुहर

॥ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कवर्धा, जिला-कबीरधाम॥

// ईश्तहार //

अ /2, वर्ष 2024-25
ईकोर्ट नम्बर...
क्रमांक 2687 / अ.वि.अ./ प्रवा - 2 /2025
कवर्धा, दिनांक 03/10/2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं नगरवासीगण कवर्धा को सूचित किया जाता है, कि आवेदक दिलीप कुमार अग्रवाल पिता छगनलाल निवास का पताः- कवर्धा, तहसील कवर्धा, जिला-कबीरधाम, छत्तीसगढ़ ने अपने निजी स्वामित्व की ग्राम कवर्धा प.ह.नं. - 13 रा.नि.म. कवर्धा, तहसील-कवर्धा स्थित भूमि खसरा नम्बर 554 / 9 रकबा 0.008 हे. हेक्टेयर भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जानें हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है।

उक्त आवेदित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने से जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो तो सुनवाई तिथि 13/10/2025.को समय 05:30 बजे तक स्वतः या अपनें अभिभाषक के माध्यम से कर सकते हैं। पश्चात के दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 03/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी।

पेशी दिनांक : 13/10/2025
जारी दिनांकः 03/10 /2025

अनुविभागीय (राजस्व)
कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

मुहर

॥ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कवर्धा, जिला-कबीरधाम॥

// ईश्तहार //

अ/2, वर्ष 2025-26
ई कोर्ट नंबर .....
क्रमांक 2678/ अ.वि.अ/प्रवा 01/ 2025
कवर्धा, दिनांक 03/10/2025

आवेदक/ आवेदिका ऋषिका झारिया पिता दिनेश झारिया निवास का पता :- कवर्धा, तहसील कवर्धा, जिला कबीरधाम, छ.ग. द्वारा अपने नाम के स्वामित्व की ग्राम कवर्धा प.ह.नं. 13, रा.नि.म. कवर्धा, तहसील - कवर्धा स्थित भूमि खसरा नम्बर 319 / 63 रकबा 0.0220 हेक्टे. भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है ।

उक्त आवेदित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने से जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो सुनवाई 13/10/2025 को प्रातः 05.30 बजे तक मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं।

आज दिनांक 03/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी ।

पेशी दिनांक : 13/10/2025
जारी दिनांकः 03/10 /2025

अनुविभागीय (राजस्व)
कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

मुहर

॥ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कवर्धा, जिला-कबीरधाम॥

// ईश्तहार //

अ /2, वर्ष 2024-25
ईकोर्ट नम्बर...
क्रमांक 2690 / अ.वि.अ./ प्रवा - 2 /2025
कवर्धा, दिनांक 03/10/2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं नगरवासीगण कवर्धा को सूचित किया जाता है, कि आवेदक दिलीप कुमार अग्रवाल पिता छगनलाल निवास का पताः- कवर्धा, तहसील कवर्धा, जिला-कबीरधाम, छत्तीसगढ़ ने अपने निजी स्वामित्व की ग्राम कवर्धा प.ह.नं. - 13 रा.नि.म. कवर्धा, तहसील-कवर्धा स्थित भूमि खसरा नम्बर 554/10 रकबा 0.0120 हे. हेक्टेयर भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जानें हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है।

उक्त आवेदित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जानें से जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई तिथि. 13/10/2025 को समय 05:30 बजे तक स्वतः या अपनें अभिभाषक के माध्यम से कर सकते हैं। पश्चात के दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 03/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी।

जारी दिनांक- 03/10/2025
पेशी दिनांक- 13/10/2025

अनुविभागीय (राजस्व)
कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

मुहर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिथौरा में जीवन दीप समिति की बैठक मे शामिल हुए बसना विधायक

विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने की सुविधाओं की समीक्षा

पिथौरा (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने आज पिथौरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्ट।ष्ट) का औचक निरीक्षण किया और स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए जीवन दीप समिति की महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया। इस दौरान, उन्होंने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, गुणवत्ता और जनसंतोष को लेकर एक विस्तृत और सार्थक संवाद प्रस्तुत किया।

विधायक ने कहा कि, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले हर मरीज को समय पर, गुणवत्तापूर्ण और सम्मानजनक चिकित्सा सेवा प्राप्त हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य सेवा केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि नागरिकों का मौलिक अधिकार है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस अधिकार की पूर्ति में कोई कमी न रहे।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने जीवन दीप समिति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह समिति न केवल अस्पताल की कार्यप्रणाली की निगरानी करती है, बल्कि स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप सुधारात्मक सुझाव भी देती है। उन्होंने आग्रह किया कि वे क्षेत्रीय स्वास्थ्य आवश्यकताओं का निष्पक्ष मूल्यांकन करें और स्पष्ट फीडबैक दें ताकि वास्तविक ज़रूरतों के आधार पर सुधार किए जा सकें।

मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पिथौरा जैसे ग्रामीण क्षेत्र में शहर जैसी चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है। इस दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शीर्ष पर है। इसके लिए संसाधनों का चरणबद्ध विस्तार, मानव संसाधन की मजबूती और तकनीकी उन्नयन की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

इस बैठक में जनपद अध्यक्ष ऊषा पुरुषोत्तम धृतलहरें, जिला पंचायत सदस्य रामदुलारी सीताराम सिन्हा, जनपद उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी, जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा विजय नायक, विधायक प्रतिनिधि विजय राज पटेल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आलोक त्रिपाठी, सांसद प्रतिनिधि मनमीत छाबड़ा, जनपद सदस्य पुरुषोत्तम धृतलहरें, वरिष्ठ भाजपा नेता सीताराम सिन्हा सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

प्रतिबंधित प्रजाति की मछलियों के पालन पर शासन की सख्ती

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारत शासन द्वारा कुछ प्रजातियों की मछलियों के पालन पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाया गया है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा छत्तीसगढ़ मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) अधिनियम 2015 से जारी अधिसूचना के माध्यम से प्रदेश में एक्सोटिक मांगुर एवं बिग हेड प्रजाति की मछलियों को प्रतिबंधित मत्स्य घोषित किया है।इन मछलियों के पालन, संवर्धन,आयात-निर्यात,विक्रय,परिवहन तथा विपणन को विधिवत रूप से निषिद्ध किया है। शासन ने यह निर्णय पर्यावरणीय संतुलन, देशी मछलियों की प्रजातियों के संरक्षण तथा मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति को 1 वर्ष का कारावास या 10 हजार रूपये का आर्थिक दंड अथवा दोनों से दंडित किया जाएगा।साथ ही इन प्रतिबंधित मछलियों के बीज एवं भंडारण को तत्काल नष्ट करने का भी प्रावधान किया गया है। मछली पालन विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन प्रजातियों का पालन करने से न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुँचता है बल्कि देशी मछलियों के अस्तित्व पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न होता है। उन्होंने मत्स्य पालकों एवं आमजन से आग्रह किया है कि वे उक्त प्रजाति की मछलियों का पालन, विक्रय अथवा विपणन न करें और शासन के निर्देशों का पूर्णत: पालन करें।

हिंदू जागरण मंच की अपील : बड़े मॉल नहीं, अपने मोहल्ले के बाजार से करें खरीदारी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। दीपावली करीब है, बाजार सज चुके हैं और हर घर में त्योहारी तैयारियां जोरों पर हैं। ऐसे में हिंदू जागरण मंच ने एक भावनात्मक अपील करते हुए नागरिकों से आग्रह किया है कि इस बार दीपावली की खरीदारी अपने ही स्थानीय दुकानदारों से करें, ताकि त्योहार की खुशियों में हर वर्ग शामिल हो सके। मंच के जिला संयोजक ने कहा कि जब हम अपने मोहल्ले या शहर के छोटे दुकानदारों से सामान खरीदते हैं, तो हम सिर्फ चीजें नहीं लेते, बल्कि किसी के घर में रौशनी पहुंचाते हैं। उनकी कमाई होगी तभी उनके घर में भी दिवाली के दीए जलेंगे। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन शॉपिंग और बड़े-बड़े मॉल्स के कारण स्थानीय व्यापारियों की कमर टूट रही है। खासकर त्योहारों में जब उम्मीद होती है कि कुछ अच्छा कारोबार होगा, तब भी लोग ऑनलाइन विकल्पों को चुन लेते हैं। इससे न केवल छोटे व्यवसाय कमजोर हो रहे हैं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक ताने-बाने पर भी असर पड़ता है।

मंच ने सभी नागरिकों से अपील की है कि इस दीपावली लोकल को वोकल बनाएं, पास की दुकानों से ही खरीदारी करें और स्थानीय व्यापारियों की मुस्कान में अपनी दीपावली की रौनक देखें। यह जानकारी मंच के युवा आयाम प्रमुख गोविंद साहू ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से साझा की।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन)। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली की अध्यक्ष श्रीमती गिरिजा देवी मेरावी के मार्गदर्शन में वरिष्ठ नागरिकों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उनके अधिकारों की जानकारी देने के उद्देश्य से वृद्धाश्रम रामगढ़ में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती कंचनलता आचला ने वरिष्ठ नागरिकों से संवाद करते हुए मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संतुलित जीवनशैली, नियमित ध्यान एवं योगाभ्यास से मानसिक तनाव को कम किया जा सकता है। शिविर में उपस्थित वृद्धजनों को मानसिक रोग, अवसाद एवं मनोवैज्ञानिक समस्याओं के लक्षण और उपचार संबंधी जानकारी दी गई। जिला चिकित्सालय के डॉ. संजय ओबेरॉय ने वरिष्ठ नागरिकों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और सक्रिय जीवनशैली अपनाने की सलाह दी।

एमपी की नाबालिग को काम दिलाने के बहाने दुर्ग लाकर देह व्यापार में धकेला,दो महिलाएं गिरफ्तार

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग की मोहन नगर थाना पुलिस ने उक नाबालिग लड़की को जबरदस्ती देहव्यापार में धकेलने के आरोप में दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने पीड़िता के निशानदेही पर आरोपियों को गिरफ्तार किया और न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार जिला अनुपपुर, मध्यप्रदेश की रहने वाली एक नाबालिग लड़की ने थाना मोहन नगर में लिखित आवेदन देकर बताया कि वह नवरात्रि में मैंहर घुमने के लिए घर से निकली थी।

नगर पंचायत कोपरा में किराना दुकान पर आधी रात चोरों का धावा

कोपरा नगर में बीते दिनों में भी चोरी की घटना लेकिन पुलिस की पकड़ से चोरअब भी बाहर

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर पंचायत कोपरा में बीते माह भी चोरों के द्वारा किराना दुकान एवम मोबाईल दुकान में चोरों के द्वारा धावा बोला गाया था। उसके बाद भी पुलिस अब तक चोरों को पकड़ नहीं पाया हैं। बीते एक सप्ताह में फिर चोरी की दो घटना सामने आया हैं ।बीते दिनों चोरों के द्वारा तारक चिकन सेंटर में धावा बोलकर जरुरी सामान एवम साथ में अंडा,चिकन ले उड़े ।बीते गुरुवार बात को चोरों ने नगर के राधा कृष्ण मंदिर के पास किराना दुकान में धावा बोलकर चावल, दाल,आलू,प्याज,शक्कर तेल सहित जरूरी समान साथ ही गल्ले में रखे कुछ पैसे भी गल्ले को तोड़कर ले गए ।इस घटना की जानकारी दुकानदार एस कुमार साहू द्वारा पाण्डुका पुलिस थाना में देने के बाद पाण्डुका पुलिस की टीम घटना स्थल पहुंच कर जांच में जुट गई हैं। वहीं नगर में लगे गांधी चौक,बस स्टैण्ड के कुछ दुकान में लगे सीसीटीवी फूटेज खंगालने में लगे हैं। यह घटना को बीती रात चोरों ने अंजाम दिया ।नगर में चोरी की घटना अधिकतर 12 से 3 बजे के बीच हों रही हैं ।इस वारदात ने नगर के अन्य दुकानदारों की चिंता बढ़ा दी है ।व्यापारी अब सुरक्षा को लेकर सतर्क हो रहें हैं हैं ।पाण्डुका पुलिस चोरों की तलाश में लगी हैं ।लेकिन अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं ।चोर और चोरी की घटना जारी हैं ।स्थानीय नागरिकों ने इस चोरी की जड़ युवाओं में बढ़ती नशाखोरी और अवैध शराब कारोबार को बताया है ।नगरवासियों का कहना है कि शाम ढलते ही चौक-चौराहों पर शराबियों का जमावड़ा लग जाता है। लोगों ने प्रशासन से नगर में अवैध शराब की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने और रात में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

छत्तीसगढ़ के चहुंमुखी विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध : विष्णु देव साय

बेमेतरा (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बेमेतरा जिले के लिए कुल ?140.96 करोड़ के 47 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें 27 कार्यों का भूमिपूजन और 20 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनता के विश्वास पर खरा उतरते हुए, राज्य सरकार चहुंमुखी और समावेशी विकास के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शासन का लक्ष्य प्रदेश में विकास कार्यों को तेजी और पारदर्शिता के साथ धरातल पर उतारना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और संकल्पबद्धता के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और नगरीय सुविधाओं के क्षेत्र में तीव्र गति से कार्य किए जा रहे हैं, जिनसे जनता को सीधा लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम अमोरा में शिवनाथ नदी पर बैराज निर्माण, सिंघोरा में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्थापना, तथा ग्राम बसनी में मिडिल स्कूल प्रारंभ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गांवों को आत्मनिर्भर बनाने और किसानों को सशक्त करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, हमने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की अधिकांश गारंटियों को अल्प समय में ही पूरा कर दिखाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में ?3100 प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। किसानों को दो वर्षों का बकाया बोनस प्रदान किया गया है और 18 लाख आवासहीन परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल रहा है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रति माह ?1000 की आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्राहकों से ?5500 प्रति मानक बोरा की दर से खरीदी की जा रही है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब, किसान और महिला सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर कार्य कर रही है। खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शिता के साथ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (क्कष्ठस्) का संचालन कर रही है, जिससे कोई भी परिवार भूखा न रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

सांसद श्री विजय बघेल ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता से किए गए वादों को पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि बेमेतरा जैसे ग्रामीण जिलों में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं, जिनसे आमजन को राहत और बेहतर सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। कार्यक्रम को विधायक श्री दीपेश साहू ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, सांस्कृतिक मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब,श्री प्रहलाद रजक, विधायक श्री ईश्वर साहू और श्रीमती भावना बोहरा, अवधेश चंदेल, श्री लाभचंद बाफना, तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेंद्र साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

स्वास्थ्य व्यवस्था बेहाल : जिला मुख्यालय से ब्लॉक स्तर तक बदहाल हालात, सीएमओ को हटाने की मांग तेज

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जिले में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमराई हुई हैं। उप स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज तक मरीजों को न तो समुचित इलाज मिल रहा है और न ही डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित है। आलम यह है कि छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज के लिए भी आमजन को भटकना पड़ रहा है। जिला चिकित्सालय से मेडिकल कॉलेज और वहां से रायपुर रेफर किए जाने का सिलसिला आम हो गया है।

स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर नदारद, मरीज बेहाल

राजनांदगांव जिले के ग्रामीण अंचलों में स्थित उप स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित रूप से डॉक्टरों की अनुपस्थिति देखी जा रही है। इससे

ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को खासा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, जिला अस्पताल में भी स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की भारी कमी है। मेडिकल कॉलेज में न तो पर्याप्त संख्या में विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद हैं और न ही आधुनिक मेडिकल उपकरणों की व्यवस्था है।

मेडिकल कॉलेज सहित कई निजी अस्पतालों में भी इलाज में लापरवाही के मामले सामने आ चुके हैं। इसके बावजूद जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई असर नहीं दिख रहा। उल्टे, सवाल उठाने वालों पर ही आरोप मढ़े जा रहे हैं।

कमल सोनी ने सीएमओ को हटाने की उठाई मांग

छत्तीसगढ़ शिवसेना के प्रदेश सचिव कमल सोनी ने स्वास्थ्य विभाग की खस्ताहाल व्यवस्था पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिले की आम जनता इलाज के लिए दर-दर भटक रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी व्यवस्था सुधारने के बजाय बेतुकी बयानबाजी में लगे हुए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली से जनता के बीच नाराजगी साफतौर पर देखने को मिल रही है। कई बार अव्यवस्था को लेकर शिकायतें भी की गई, लेकिन विभागीय अधिकारियों ने कार्रवाई के बजाय मामले को दबाने का प्रयास किया। स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार को लेकर कोई ठोस योजना नजर नहीं आ रही है, जिससे आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

जेपी जयंती पर श्रद्धांजलि सभा व परिचर्चा आज

भिलाई। भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 124वीं जयंती पर श्रद्धांजलि सभा एवं परिचर्चा का आयोजन 11 अक्टूबर शनिवार को रखा गया है। भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण स्मारक प्रतिष्ठान एचएससीएल कॉलोनी रूआबांधा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सुबह 9 बजे सेक्टर 6 व 2 के मध्य स्थित जेपी चौक पर श्रद्धांजलि सभा होगी।

रजत जयंती वर्ष में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर हुआ विशेष योगाभ्यास - ट्रेनी छात्रों ने जाना मानसिक रोगों से मुक्ति का मंत्र

गरियाबंद (समय दर्शन)। आयुष संचालनालय रायपुर के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. प्रवीन चंद्राकर के मार्गदर्शन में आज दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को लाइवलीहुड कॉलेज डोंगरीगांव में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस एवं आयुष विभाग के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में सभी फील्ड के ट्रेनी छात्र-छात्राओं को मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराया गया। आयुष योगा वेलनेस सेंटर गरियाबंद की डॉ. शिखा कुरेटी ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को सूर्यनमस्कार, ध्यान, प्राणायाम और विभिन्न योगासन का अभ्यास करवाया ।उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से तनाव,अवसाद,घबराहट जैसी मानसिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है। इस अवसर पर बायोक्लॉक और मानसिक रोगों जैसे स्ट्रेस, डिप्रेशन, एंजाइटी, ओ.सी.डी.और बाइपोलर डिसऑर्डर से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई ।साथ ही सभी ट्रेनी छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

कार्यक्रम में आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारी,प्रशिक्षु छात्र-छात्राएं एवं कॉलेज स्टाफकी सक्रिय सहभागिता रही। आयोजन का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देना रहा।

उच्च न्यायलय ने 2015 के नान घोटाले, सीबीआई से जांच करने संबंधी याचिकाओं को किया निराकृत

बिलासपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने 2015 के चर्चित नान घोटाले की सीबीआई से जांच करने संबंधी याचिकाओं को निराकृत किया । जिन लोगों की नान घोटाले में भूमिका होने के बाद भी एसीबी ने चालान नहीं कियाउनके खिलाफविचारण न्यायालय में आवेदन लगाई जा सकेगी ।

ऐसी अन्या याचिकाएं जिनकी ओर से अधिवक्ता या याचिका करता उपस्थित नहीं हुए उन्हें हाई कोर्ट ने डिसमिस कर दिया और धरमलाल कौशिक के द्वारा एसआईटी जांच के खिलाफलगाई गई याचिका को वापस लेने की अनुमति दी। आज हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस पी पी साहू की विशेष खंडपीठ ने नान घोटाले से जुड़ी 8 याचिकाओं पर सुनवाई की। गौरतलब है की इसी मामले से संबंधित याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने के कारण करीब 4 साल से इन याचिकाओं की सुनवाई नहीं हो पा रही थी। सितंबर के महीने में सुप्रीम कोर्ट में से संबंधित सभी मामलों का निराकरण होने के बाद आज हाईकोर्ट में इन जनहित याचिकाओं एवं अन्याचिाकाओं पर सुनवाई होना नियत था।

आज सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने इस बात को नोट किया कि केवल दो जनहित याचिकाओं जो की हमर संगवारी एन जी ओ और सुदीप श्रीवास्तव अधिवक्ता के द्वारा लगाई गई थी उसमें ही अधिवक्ता या याचिका करता अदालत में उपस्थित है। इसके अलावा अन्य याचिकाओं की तरफसे कोई उपस्थित नहीं हुआ। वहीं भारतीय जनता पार्टी के नेता धरमलाल कौशिक की ओर से अधिवक्ता गैरी मुखोपाध्याय उपस्थित थे। राज्य सरकार की ओर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिल्ली से अधिवक्ता अतुल झा ने कोर्ट को बताया कि 10 सालों में इस मामले में ट्रायल कोर्ट में 224 में से 170 गवाहों की गवाही हो चुकी है और मामला अब अपने अंतिम चरण की ओर जा रहा है। खंडपीठ ने अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव से याचिका करता की भूमिका पर सवाल किए और पूछा कि उनका इस मामले से क्या संबंध है ।अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव ने जवाब में अपनी जनहित याचिका के बारे में बताते हुए कहा कि जिन व्यक्तियों का चालान हुआ है या जिनका विचारण चल रहा है उस पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है बल्कि वे उसका समर्थन करते हैं। श्रीवास्तव ने आगे कहा कि एसीबी ने अपनी जांच में बहुत सारे लोगों को छोड़ दिया है और उन्हें सीधा-सीधा रोल होने के बावजूद पैसे लेने के बावजूद अभियुक्त नहीं बनाया है । यहां तक कि जहरीला नमक सप्लाई करने वाले अभियुक्त मुनीश कुमार शाह की अब तक गिरफ्तारी भी नहीं की गई है। एसीबी की जांच आधी अधूरी हैअत: उनकी याचिका इस जांच को सीबीआई को देकर इन सभी व्यक्तियों के ऊपर भी कार्यवाही करने के लिए है। इस स्तर पर खंडपीठ ने कहा कि यह मांग तो विचरण न्यायालय में धारा 319 का आवेदन लगाकर भी पूरी की जा सकती है और यह कहते हुए के मामला 10 साल से अधिक पुराना है और अब जांच एजेंसी बदलने की मांग उचित नहीं लगती। विचारण अब अंतिम चरण में है सभी जनहित याचिकाओं को निराकृत या खारिज कर दिया।

एक समय छत्तीसगढ़ की राजनीति में भूचाल मचा देने वाले नान घोटाले में वस्तुत: छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध पीडीएस स्कीम या राशन प्रणाली वितरण में हुई गड़बड़ी से संबंधित है। स्वयं एसीबी की चार्ज शीट के अनुसार नागरिक आपूर्ति निगम जिसे शॉर्ट में नान कहा जाता है के ऊपर यह जिम्मेदारी थी कि वह छत्तीसगढ़ में राशन वितरण एवं साथ ही साथ अन्य सामानों के वितरण के लिए चावल का प्रोक्योरमेंट और दाल नमक आदि सभी चीजों का प्रोक्योरमेंट कर उनका वितरणकरें। 2011 की जनसंख्या के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में 55 लाख परिवार कुल होने के बावजूद 70 लाख राशन कार्ड बनाए जाने और उसके माध्यम से हजारों करोड़ों का राशन अफरा तफरी करने के आरोप है। जहां तक राशन कार्ड में आदिवासी इलाकों में आयोडाइज्ड नमक की सप्लाई की बात है इसके तहत घटिया क्वालिटी के नमक जिसमें जांच में कांच के टुकड़े होना तक पाया गया उसको लेकर सप्लाई करने के लिए नान के द्वारा दिया गया। चार्ज शीट के अनुसार नान के 27 के 27 जिला प्रबंधक और क्षेत्रीय कार्यालय तथा मुख्यालय अध्यक्ष मैनेजिंग डायरेक्टर आदि सभी सरकार में उच्च स्तर संरक्षण प्राप्त रैकेट को संचालित कर रहे थे। एसीबी में इसके बावजूद सभी जिला प्रबंधकों को अभियुक्त नहीं बनाया यही नहीं छापे के दौरान ऐसे बहुत से लोक सेवक जिनके पास घोटाले की रकम पहुंचाने के पुख्ता सबूत मिले उनसे कोई पूछताछ तक नहीं हुई। कुल मिलाकर एंटी करप्शन ब्यूरो और इकोनामिक ऑफेंस विंग द्वारा छापा मारने के बाद एक तरह से मामले को रफा दफा करने का प्रयास अधिक किया यहां तक की मुख्य अभियुक्त की गिरफ्तारी भी तुरंत नहीं हुई।

2018 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने के बाद इसकी विशेष जांच के लिए एक एस आई टी का गठन हुआ था। परंतु तब के नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने इस मामले की एसआईटी जांच करने के खिलाफ एक जनहित याचिका लगा दी। आगे जाकर भाजपा के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेंडी ने भी इस मामले को सीबीआई जांच के लिए देने का विरोध किया और ऐसा आवेदन जनहित याचिका में लगाया। इस मामले की 2017 2019 और 2021 में तीन बार लंबी-लंबी सुनवाई हुई परंतु मामले में अंतिम फैसला नहीं आया। इसी बीच ई डी प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई याचिका के आधार पर हाईकोर्ट में इन जनहित याचिकाओं पर चल रही सुनवाई पर रोक लगा दी गई। 2 साल से अधिक समय तक यह रोक प्रभावी रही और अब सुप्रीम कोर्ट में ई डी की याचिकाओं का निराकरण होने के बाद जिसके आधार पर आई ए एस अनिल टुटेजा और आलोक शुक्ला को नान घोटाले में गिरफ्तार किया गया है इन जनहित याचिकाओं पर सुनवाई का रास्ता साफहुआ था।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26